हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर, सोमवार 02 दिसम्बर 2024

नकली पहचान/ पार्सल स्कैम से सावधान रहें!

आरबीआई/बैंकों/सरकारी एजेंसियों/कूरियर कंपनियों के अधिकारियों के नाम से आने वाले ऐसे **साइबर अपराधियों** के ऑडियो/वीडियो कॉल से सावधान रहें, जो कानूनी कार्रवाई करने की **धमकी देते हैं** या **तुरंत पैसे की मांग** करते हैं या आपके बैंक खाते या डेबिट/क्रेडिट कार्ड को **फ्रीज़** या **ब्लॉक** करने का डर दिखाते हैं।

क्या न करें

- **घबराएं नहीं** – धोखेबाज़ आपको फंसा सकते हैं
- कोई भी निजी/वित्तीय जानकारी **साझा न करें**
- भुगतान करने के लिए अज्ञात लिंक पर **क्लिक न करें**

क्या करें

- हमेशा कॉल करने वाले/फ़ंड अनुरोध की **वास्तविकता की पुष्टि** करें
- cybercrime.gov.in पर **तुरंत रिपोर्ट करें** या 1930 पर सहायता के लिए कॉल करें

अधिक जानकारी के लिए, **https://rbikehtahai.rbi.org.in/fraud** पर जाएं
फ़ीडबैक देने के लिए, **rbikehtahai@rbi.org.in** को लिखें

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

उत्तर पश्चिम रेलवे पर मनाया गया आईआरएएस (भारतीय रेलवे लेखा सेवा) दिवस

मुख्यालय एवं मंडल के भारतीय रेलवे लेखा सेवा के अधिकारी हुए सम्मिलित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार कार्यक्रम की शुरुआत आईआरएएस अधिकारियों के अभिनंदन और स्मृति चिन्ह के अनावरण के साथ हुई।

बैठक का शुभारम्भ मे सदस्य वित्त का संदेश पढ़ा गया और प्रमुख वित्त सलाहकार उत्तर पश्चिम रेलवे ने अपने स्वागत भाषण में सहयोग और उत्कृष्टता पर जोर देते हुए टीम के लिए एक प्रेरणादायक दृष्टिकोण साझा किया। मुख्य सत्रों में लेखा कार्य प्रणाली में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग पर मंडल वित्त प्रबंधक हेमंत द्वारा एक प्रस्तुति और अनीश प्रसाद, आईपीएस, ईडीवी (पी), रेलवे बोर्ड द्वारा साइबर सुरक्षा और स्वच्छता पर एक आकर्षक बातचीत शामिल थी। सुरक्षित ऑनलाइन प्रथाओं पर प्रसाद की हंसमुख और व्यावहारिक अंतर्दृष्टि ने एक स्थायी प्रभाव छोड़ा। कार्यक्रम मे सभी वरिष्ठ लेखा अधिकारी उपस्थित रहे।

भारत सहित पूरे विश्व में ब्यूटी प्रोडक्ट्स में प्राकृतिक ओर रासायनिक मुक्त विकल्पों की मांग बढ़ रही है : कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में आयुर्वेद के माध्यम से ब्यूटी केयर पर 10 दिवसीय कोर्स का समापन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जोरावर सिंह गेट स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान मानद विश्विद्यालय जयपुर में आयुर्वेद के माध्यम से ब्यूटी केयर पर 10 दिवसीय विशेष कोर्स का आयोजन किया गया। कार्यशाला में भारत के विभिन्न राज्यो के साथ अमेरिका से कुल 24 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो आयुर्वेद के सिद्धांतों के माध्यम से स्किनकेयर, हेयरकेयर और वेलनेस के होलिस्टिक दृष्टिकोण को समझने के लिए उत्सुक थे। संस्थान के आयुर्वेद विशेषज्ञों द्वारा डिज़ाइन किए गए इस कोर्स में प्राकृतिक सौंदर्य देखभाल के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें मुख अभ्यंग, मुख लेपन, शिरोभ्यंग जैसी हर्बल उपचार पद्धतियाँ और

आयुर्वेदिक स्किनकेयर रूटीन शामिल थे। प्रतिभागियों को स्वस्थ त्वचा और बालों के लिए पारंपरिक और प्राकृतिक सामग्री के उपयोग के बारे में भी जानकारी दी गई। ये तकनीकें व्यक्तिगत प्रशिक्षण और आयुर्वेदिक सौंदर्य देखभाल विशेषज्ञों द्वारा दिए गए व्याख्यानों के माध्यम से सिखाई गईं। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने 10 दिवसीय कार्यशाला में विद्यार्थियों को सौंदर्य उद्योग में आयुर्वेदिक उपचारों के बढ़ते वैश्विक रूझान के विषय में जानकारी दी। प्रोफेसर संजीव शर्मा ने कहा भारत देश के साथ पूरे विश्व में ब्यूटी प्रोडक्ट्स के लिए प्राकृतिक ओर रासायनिक-मुक्त विकल्पों की मांग बढ़ रही है और आयुर्वेद इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए उपयुक्त माध्यम है। आयुर्वेद के ज्ञान को उन व्यक्तियों के साथ साझा करने में हम गर्व महसूस करते हैं, जो सौंदर्य और वेलनेस के लिए एक अधिक समग्र और सतत दृष्टिकोण की तलाश में हैं। सौंदर्य आयुर्वेद एवं द्रव्यगुण विभाग के विभागाध्यक्ष ओर डीन, इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज़ और डॉ. सुदीप्त रथ ने आयुर्वेदिक सिद्धांतों और जीवनशैली के माध्यम से आंतरिक और बाहरी सौंदर्य को संतुलित करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने विभिन्न पृष्ठभूमियों से आए सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए उनकी टीमवर्क में भूमिका की सराहना की। पूर्व प्रति कुलपति और पूर्व विभागाध्यक्ष द्रव्यगुण एवं सौंदर्य आयुर्वेद प्रो. मीता कोटेचा ने समापन समारोह में अपने संबोधन में कोर्स की सफलता पर संतोष व्यक्त किया और प्राकृतिक, रासायनिक-मुक्त सौंदर्य देखभाल दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया।

जयपुर में पालतू जानवरों की देखभाल के लिए डीसीसी एनिमल

हॉस्पिटल ने शहर में अपनी उन्नत सुविधा शुरू की

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। पशु अस्पतालों की प्रसिद्ध वैश्विक पशु चिकित्सा श्रृंखला, डीसीसी एनिमल हॉस्पिटल जयपुर में अपनी पहली एडवांस पेट मेडिकल सुविधा शुरू करने की घोषणा की है, जिसे वर्ल्ड जापानी मानकों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह जयपुर में पालतू जानवरों की देखभाल में क्रांति लाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। पालतू जानवरों की देखभाल की नवीनतम तकनीक से समर्थित और सुसज्जित यह अस्पताल, आईडीबी बिल्डिंग, एफएस -6, गायत्री नगर, महारानी फार्म, दुर्गापुरा के बेसमेंट में है। इसका अनावरण 1 दिसंबर, 2024 को दोपहर 12ः00 बजे किया गया । यह लॉन्च डीसीसी जयपुर को उन्नत पालतू स्वास्थ्य सेवाओं के एक नए युग से परिचित करता है । डीसीसी एनिमल हॉस्पिटल पालतू जानवरों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने पर केंद्रित सबसे बड़ी वैश्विक पशु चिकित्सा श्रृंखलाओं में से एक है, जिसमें निवारक देखभाल, ज्ञान-आधारित पालतू पालन और उन्नत सर्जरी सेवाओं पर विशेष ध्यान देता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी जानवरों को अच्छा स्वास्थ्य सुलभ हो। न केवल स्वास्थ्य बल्कि तंदुरुस्ती और जीवनशैली भी बेहतर कल के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। डीसीसी पशुओं की देखभाल के तरीकों में बदलाव लाने पर केंद्रित है। इसमें पालतू जानवरों के मालिकों के जीवन में वह बदलाव लाना, डर के बजाय ज्ञान का प्रचार करना और लंबे समय से चली आ रही समस्या समाधान पद्धति को समाप्त करना है। वे गहन निदान पर ध्यान केंद्रित करते हैं और हमारे पालतू जानवरों को पेशेवर चिकित्सा देखभाल प्रदान करते हैं, ठीक वैसे ही जैसे हम खुद के लिए करते हैं। पालतू जानवरों के अनुकूल श्रृंखला होने के कारण, कंपनी विशेष रूप से पालतू जानवरों के लिए एक समग्र इकोसिस्टम प्रदान करती है। ÷पालतू से भागीदार÷ के अपने प्रमुख दृष्टिकोण से प्रेरित, डीसीसी पालतू जानवरों की देखभाल के तरीके को बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। इसका उद्देश्य भारत और विश्व भर में पालतू जानवरों की देखभाल के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, जिससे जानवरों की भलाई के लिए बेहतर समझ और करुणा की संस्कृति को बढ़ावा मिले।

डीसीसी एनिमल हॉस्पिटल के प्रमुख पशु चिकित्सक और निदेशक डॉ. विनोद शर्मा जयपुर में विस्तार करने के निर्णय पर प्रकाश डाला, यह देखते हुए कि शहर में पालतू जानवरों के मालिकों की आबादी बढ़ रही है, लेकिन उच्च गुणवत्ता वाली सुविधाओं और शैक्षिक संसाधनों की महत्वपूर्ण कमी है। उन्होंने कहा, जयपुर में कई पालतू जानवरों के मालिक अधिक विकल्पों के लिए उत्सुक हैं, लेकिन सेवाओं की गुणवत्ता में सीमित हैं। हमने बाजार में गहन शोध किया है, और पाया है कि बेहतर निवारक देखभाल, स्वच्छता और पालतू स्वास्थ्य सेवा के बारे में अधिक जानकारी की आवश्यकता है। डीसीसी इस अंतर को पाटने के लिए यहाँ है। डीसीसी एनिमल हॉस्पिटल का उद्देश्य निवारक देखभाल, टीकाकरण शिक्षा, प्लास्टिक सर्जरी जागरूकता और उच्च स्वच्छता मानकों के साथ सेवाएं प्रदान करके एक दयालु, पालतू-अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है। इसके अतिरिक्त, यह पालतू जानवरों के मालिकों को आवश्यक सेवाओं के बारे में शिक्षित करने और पालतू स्वास्थ्य सेवा तथा उनकी आवश्यकताओं के बारे में जागरूकता फैलाने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा।

एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजकीय कन्या महाविद्यालय किशनपोल जयपुर में रविवार को एन. एस. एस के तत्वावधान मे एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया जिसमें EBSR की वरिष्ठ प्रबंधक सुश्री सुदर्शना शेखावत, सक्रिय सदस्य दीपाली भार्गव एवं टेक्निशियन रामदयाला लाम्बा ने नेत्रदान पर व्याख्यान दिये द्य महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.(प्रो) खामोश मीना ने स्वंय सेवको को संबोधित करते हुए नेत्र दान के महत्त्व से छात्राओं को अवगत कराया तथा बताया कि यह एक मानवीयता का कार्य है व इससे अंधे और दृष्टिहीन लोगों को नई उम्मीद तथा नया जीवन मिलता है। एन. एस. एस. प्रभारी डॉ. अर्चना वर्मा द्वारा छात्राओं से नेत्र दान हेतु संकल्प परा भरवाया गया तथा दान करो आँखों के मोती अमर रहेगी जीवन ज्योति का नारा दिया गया। अंत में डॉ. ममता रोकणा वरिष्ठ संकाय सदस्य द्वारा बताया गया कि मोतिया बिंद,अल्प दृष्टिदोष, ऑपरेशन हुई आँख तथा सामान्य बीमारी से पीड़ित कोई भी नेत्रदान कर सकता है। कार्यक्रम का संचालन एन.एस.एस प्रभारी डॉ. अर्चना वर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ. नीलम गुप्ता, डॉ. निकिता शर्मा, डॉ. सुषमा पाण्डेय , डॉ. हेमा गेरा, डॉ. सीमा पारीक,डॉ. सुनीता फुलवारिया, डॉ. शुभ्रा चतुर्वेदी, डॉ. वीनिता जैमन, डॉ. कनर्क शर्मा आदि संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

नुक्कड़ नाटक, संगीत और मार्च के माध्यम से एचआईवी एड्स को लेकर किया जागरूक

वर्ल्ड एड्स डे के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम, 'रेज - आशा की एक किरण' एनजीओ और पॉजिटिव युवा नेटवर्क द्वारा आयोजन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। वर्ल्ड एड्स डे के अवसर पर रविवार को जवाहर सर्किल स्थित तोरण द्वार पर एक प्रभावशाली जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाना और एचआईवी से प्रभावित लोगों के प्रति स्वीकृति को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को शिक्षित करने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास किया गया। यह आयोजन जयपुर के एनजीओ 'रेज़ - आशा की एक किरण' द्वारा पॉजिटिव युवा नेटवर्क एसोसिएशन के सहयोग से किया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत अस्तित्व बैंड द्वारा प्रस्तुत दिल को छू लेने वाले प्रेरक लाइव संगीत प्रस्तुति के साथ हुई, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और एक सकारात्मक

माहौल तैयार किया। इसके बाद, एचआईवी से जुड़े मिथकों और तथ्यों पर आधारित एक इंटरएक्टिव क्विज़ का आयोजन हुआ, जिसने उपस्थित लोगों में एचआईवी से संबंधित भ्रांतियों को दूर करने और उन्हें एचआईवी की वास्तविकता और तथ्यों के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम में एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया, जिसके माध्यम से पीएलएचआईवी की चुनौतियों और उनकी दृढ़ता को दर्शाया गया। इस प्रस्तुति ने दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी और समाज में सहानुभूति, स्वीकृति और समावेशन का महत्वपूर्ण संदेश दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एनसीसी कैडेट्स की भागीदारी थी, जिन्होंने उत्साह के साथ मार्च के माध्यम से एकजुटता का प्रदर्शन किया। जागरूकता और आशा का प्रसार करने वाले संदेश लिखे पोस्टर कार्ड्स थामे हुए, प्रतिभागियों ने भेदभाव-मुक्त समाज का समर्थन और एचआईवी से संबंधित मुद्दों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एकजुट होकर मार्च किया। रेज़ - आशा की एक किरण के फाउंडर, कैप्टन गुरिंदर विर्क ने सामाजिक परिवर्तन की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, "हमें भेदभाव की जगह प्रेम को अपनाने होगा और एचआईवी से प्रभावित बच्चों के सम्मान के लिए एकजुट होकर खड़ा होना होगा। इस तरह के कार्यक्रम हमें हमारी सामूहिक जिम्मेदारी का एहसास कराते हैं, ताकि हम एक सहानुभूतिपूर्ण और समावेशी समाज का निर्माण कर सकें इस कार्यक्रम में एनजीओ के बच्चों सहित विभिन्न पृष्ठभूमि के लोग एकत्रित हुए, जिन्होंने पीएलएचआईवी की दृढ़ता का उत्सव मनाते हुए जागरूकता, समझ और सामूहिक प्रयासों के महत्व को समर्थन दिया। जवाहर सर्कल पर वर्ल्ड एड्स डे के इस आयोजन ने रेज़ आशा की एक किरण और पॉजिटिव युवा नेटवर्क की मजबूत प्रतिबद्धता का एक प्रभावी उदाहरण प्रस्तुत किया, जो समाज में परिवर्तन लाने और सभी के लिए गरिमा तथा समानता सुनिश्चित करने के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं।

'पधारो म्हारे देश भारत' अभियान शुरू

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजधानी जयपुर स्थित जवाहर सर्किल पर ग्नार्ली ट्रूप ग्लोबल फेडरेशन ने रविवार 1 दिसम्बर को अपने महत्वाकांक्षी पधारो म्हारे देश भारत अभियान का भव्य शुभारंभ किया। मेरा देश, मेरी जिम्मेदारी, मेरा गौरव थीम के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय सांस्कृतिक धरोहर, पर्यावरणीय स्थिरता और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देना रहा। इसमें पांच हजार से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर उत्साह और एकता का प्रदर्शन किया, जिनमें छात्र, शिक्षक, गणमान्य व्यक्ति और अभिभावक शामिल रहे। सभी विद्यालयों ने ग्नार्लीी ड्रूप फेडरेशन के अमरजीत और सुश्री गोपिकाश्री के निस्वार्थ प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस नेक कार्य में समुदाय की सशक्त भागीदारी सुनिश्चित की। इस कार्यक्रम में सुबह से ही छात्र, शिक्षक व अभिभावक पत्रिका गेट को ऊर्जा और उत्साह के केंद्र में बदलते देखने पहुंचे। मंत्री जवाहर सिंह बेढम और सदुरु ऋतेश्वर महाराज ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सदुरु ऋतेश्वर ने भारतीय मूल्यों को अपनाने, सांस्कृतिक धरोहर पर गर्व करने और वैश्विक जिम्मेदारी के महत्व पर प्रेरणादायक संदेश दिया। जवाहर सिंह बेदाम ने शिक्षकों और छात्रों से राष्ट्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। सुबोध पब्लिक स्कूल की शिक्षिका सुमन सक्सेना और माय एफएम की आरजे शिवांगी ने कार्यक्रम का संचालन किया, जिनकी ऊर्जावान मेजबानी ने दर्शकों को पूरे समय जोश से भरपूर बनाए रखा। इस कार्यक्रम में अल्फा इंटरनेशनल एकेडमी, सुबोध पब्लिक स्कूल, वर्धमान इंटरनेशनल स्कूल, सैनिक स्कूल, साइन इंटरनेशनल स्कूल और सरदार पटेल स्कूल जैसे प्रमुख विद्यालयों ने योगदान दिया। जयपुर के लगभग 20 स्कूलों ने इस नेक कार्य में हिस्सा लिया। प्रधानाचार्यों और शिक्षकों रमा दत्त, कमलजीत यादव, सुनैना नागपाल, मनीषा सिंह और डॉ. मालिनी मलिक के प्रयास सराहनीय रहे।

मुख्य आकर्षणों में सैनिक स्कूल के एनसीसी कैडेट्स द्वारा अनुशासित मार्च और सुबोध पब्लिक स्कूल की संगीत टीम का मंत्रमुग्ध कर देने वाला प्रदर्शन शामिल रहा। स्केटर्स टीम ने मैराथन के दौरान अद्भुत प्रस्तुति दी, जिसने सभी को मोहित कर लिया। ड्रूप मैराथन पहल के तहत 50 हजार फलदार पौधे लगाए गए और पर्यावरणीय स्थिरता को बनाए रखने की शपथ ली। छात्रों और सभी प्रतिभागियों का उत्साह सभी के लिए प्रेरणादायक और आकर्षक रहा। जलवायु, समुदाय, संस्कृति और सहयोग के स्तंभ पर आधारित पधारो म्हारे देश भारत अभियान भारतीय पर्यटन और सांस्कृतिक समृद्धि में क्रांति लाने का वादा करता है, जो एक अधिक स्थायी और समावेशी भविष्य की दिशा में अग्रसर है।

फिजिकली डिसेबल्ड चैलेंजर्स ट्रॉफी 2024 के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने दिखाया जोश व उत्साह

जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी ने दिव्यांग क्रिकेट प्लेयर्स के साथ अपना 8वाँ फाउंडेशन डे मनाया

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर । फिजिकल डिसेबल्ड चैलेंजर्स ट्रॉफी 2024 के दूसरे दिन भी मैदान पर काफी उत्साह और जुनून देखने को मिला, क्योंकि टीम इंडिया-बी दूसरे दिन अपनी पहली जीत दर्ज की। यह ट्रॉफी राजस्थान डिसेबल्ड क्रिकेट एसोसिएशन (आरडीसीए) द्वारा पैट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी में आयोजित की जा रही है। इस अवसर पर राजस्थान सरकार के स्पोर्ट्स एंड यूथ अफेयर्स के राज्य मंत्री श्री के.के. बिश्नोई ने भी खिलाड़ियों की खेल के प्रति समर्पण और उनके जोश व उत्साह

की सराहना की। जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी ने आज अपना 8वां स्थापना दिवस मनाया, जिसमें दिव्यांग क्रिकेटरों और समर्थकों ने एकेडमी के द्वारा क्रिकेट की प्रतिभा को निखारने के लिए उसके समर्पण और प्रतिबद्धता की सराहना की। फिजिकली डिसेबल्ड चैलेंजर्स ट्रॉफी 2024 के दूसरे दिन का पहला मैच इंडिया-ए और इंडिया-बी के मध्य खेला गया। पहले खेलते हुए इंडिया-ए ने कम स्कोर वाला खेल दिखाया और 19.1 वें ओवर में 117/10 पर ऑलआउट हो गई। इंडिया-ए के कप्तान रविन्द्र शांते ने अपना जुझारूपन दिखाते हुए 25 गेंदों में 29 रन बनाए। यह उनकी टीम के किसी भी प्लेयर के सर्वाधिक रन थे। इंडिया-बी ने शानमुगम के ऑलराउंड प्रदर्शन पर भरोसा करते हुए, इंडिया-ए को 6 विकेट से हराकर फिजिकली डिसेबल्ड चैलेंजर्स ट्रॉफी 2024 में अपनी पहली जीत दर्ज की। इंडिया-बी के लिए जगजीत मोहंती और शानमुगम ने पारी की शुरूआत की। जगजीत ने 29 गेंदों में 35 रन बनाए और उनके साथ टीम के ऑलराउंडर शानमुगम ने 38 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई।इंडिया-बी के लिए, अवनीश कुमार गेंदबाजों में सबसे बेहतरीन रहे, जिन्होंने 3.1 ओवर में सिर्फ 15 रन देकर 3 विकेट लिए और इसके लिए अवनीश कुमार को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

चौथे एसके वर्ल्ड हेल्थ एंड वेलनेस फेस्ट के स्पीकर्स की पहली लिस्ट जारी

गुलाबी नगरी में गूंजेंगे हेल्थ और वेलनेस के मंत्र

बॉलीवुड अभिनेता राहुल देव, अभिनेत्री मुग्धा गोड़से, मैनेजमेंट गुरु एन. रघुरामन समेत कई एक्सपर्ट्स लेंगे हिस्सा

एक्सपर्ट्स से मिलेगी हेल्थ और वेलनेस की टिप्स, म्यूजिक से भरा होगा एंटरटेनमेंट का डोज

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। प्रदेशवासियों को हेल्थ और वेलनेस के मंत्र देने और बेहतर जीवन के लिए प्रेरित करने के लिए संस्कृति युवा संस्था द्वारा एसके फाइनेंस के सहयोग से 21-22 दिसंबर को चौथे एसके वर्ल्ड हेल्थ एंड वेलनेस फेस्ट का आयोजन किया जा रहा है। जयपुर के एंटरटेनमेंट पैराडाइज के पीकॉक कोर्ट में होने वाले दो दिवसीय फेस्ट में हेल्थ, कॉर्पोरेट और आध्यात्मिक जगत के विशेषज्ञ और बॉलीवुड हस्तियां मंच सांझा करेंगी। फेस्ट में हिस्सा लेने वाले एक्सपर्ट्स की पहली सूची जारी कर दी गयी है। इसमें विशेषज्ञों द्वारा बेहतर जिंदगी के लिए टिप्स और कबीर कैफ बैंड द्वारा लाइव परफॉर्मेंस में एंटरटेन्मेंट की डोज मिलेगी।

सौ से ज्यादा विशेषज्ञ देंगे टिप्स

फेस्टिवल के सह-संस्थापक नरिशंत शर्मा और मुकेश मिश्रा के अनुसार, हेल्थ और वेलनेस के 100 से अधिक विशेषज्ञ द्वारा विविध सत्रों का आयोजन किया जाएगा, इससे सभी को संतुलित, स्वस्थ और आनंदमय जीवन शैली के लिए प्रेरणा मिलेगी। आगंतुक स्वास्थ्य, योग, फिटनेस और ध्यान पर अन्य सत्रों का आनंद ले सकते हैं। बॉलीवुड हस्तियों, प्रेरक वक्ताओं से रूबरू होने का यह एक अच्छा मंच रहने वाला है। हेल्थ एवं वेलनेस स्टार्टअप सेशन, एचआर वेलनेस सेशन, शतरंज टूर्नामेंट, स्वास्थ्य और जीवनशैली प्रदर्शनी के साथ संगीत सत्र और पुरस्कार आदि भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

ये होंगे स्पीकर्स: संस्कृति युवा संस्था के संस्थापक पं. सुरेश मिश्रा और आयोजन समिति के चेयरमैन अमित अग्रवाल ने बताया कि स्पीकर्स में अभिनेता राहुल देव, अभिनेत्री मुग्धा गोडसे, मैनेजमेंट गुरु एन.रघुरामन, राजस्थान पत्रिका के राज्य संपादक अमित वाजपेई, फिल्म प्रोड्यूसर महावीर जैन, योगपीस संस्था के अध्यक्ष, योगासन प्रीमियर लीग के निदेशक योगाचार्य ढाकाराम का नाम शामिल है। वहीं एसके फाइनेंस के मैनेजिंग डायरेक्टर व सीईओ राजेंद्र सेतिया, इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी के निदेशक डॉ. संजीव शर्मा, टाई इंडिया एंजेल्स और रेन के चेयरमैन महावीर प्रताप शर्मा, वर्ल्ड ट्रेड पार्क के चेयरमैन अनूप बरतरिया, जयश्री पेरीवाल ग्रुप ऑफ स्कूल्स की सीएमडी जयश्री पेरीवाल, गैस्ट्रो-इंटेस्टाइनल और बेरिएट्रिक एक्सपर्ट डॉ. संदीप जैन, डायबिटीज और एंडोक्रिनोलॉजी विशेषज्ञ डॉ सुनील ढंड, आरयूएचएस के पूर्व कुलपति डॉ.सुधीर भंडारी, इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी के निदेशक डॉ. संजीव शर्मा, आईएनए सोलर के चेयरमैन मनीष गुप्ता और मैनेजिंग डायरेक्टर विकास जैन, जीसीएल ग्रुप के डायरेक्टर रवि सिंघल, न्यूट्रिशियन स्पेशलिस्ट करण सिंह तोमर, वरिष्ठ आरएएस अधिकारी पंकज ओझा और टैगोर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की सीईओ रुचिरा सोलंकी भी बतौर

रन फॉर जीरो हंगर पहल के साथ एक बार फिर जयपुर में वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन 15 दिसंबर को

वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन की टी-शर्ट और मैडल लॉच हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के सीईओ और वेदांता लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक अरुण मिश्रा द्वारा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। अपने ऐतिहासिक 9वें संस्करण के साथ वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन (वीपीसीएचएम) 15 दिसंबर को जयपुर में वापस होने जा रही है। वेदांता द्वारा, एनी बॉडी कैन रन (एबीसीआर) के सहयोग से आयोजित इस मैराथन का प्रेरक विषय #RunForZeroHunger है, जिसका उद्देश्य भूख और कुपोषण से निपटने के लिए जागरूकता और समर्थन बढ़ाना है। इस कार्यक्रम में देश भर से 15,000 से अधिक प्रतिभागियों के

शामिल होने की उम्मीद है, जिसमें प्रसिद्ध हस्तियाँ भी शामिल हैं, जो इसे जयपुर कैलेंडर पर एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम बनाती है। वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन सिर्फ़ एक मैराथन नहीं; यह सामाजिक बदलाव के लिए एक आंदोलन है। इस मैराथन में प्रतिभागियों के दौड़े गए हर किलोमीटर के लिए, वेदांता अपनी सामाजिक प्रभाव शाखा, अनिल अग्रवाल फ़ाउंडेशन (आफ) के माध्यम से बच्चों और पशुओं को भोजन प्रदान कर पोषित करेगी।इस पहल के लाभार्थियों में भारत भर में आधुनिक आंगनवाड़ियों के नेटवर्क नंद घर के बच्चे और द एनिमल केयर ऑर्गनाइजेशन (टाको) द्वारा समर्थित पशु शामिल हैं, जो एक अनूठी पशु कल्याण परियोजना है जिसका उद्देश्य पशुओं का कल्याण और उनकी रक्षा करने के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा, चिकित्सा सेवाएं, प्रशिक्षण सुविधा और आश्रय प्रदान करना है। पिछले साल, मैराथन के माध्यम से 1 लाख से अधिक भोजन बच्चों को प्रदान किया गए था, जिससे नंद घर के बच्चों को लाभ हुआ और इस साल का लक्ष्य पशुओं पर प्रभाव डाल, इस आंदोलन को और भी विस्तार बनाने का है। आगामी आयोजन के लिए उत्साह व्यक्त करते हुए, वेदांता की नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की चेयरपर्सन, प्रिया अग्रवाल हेब्बार ने कहा, मैराथन सकारात्मक बदलाव के लिए समाज के एक साथ आने की शक्ति का एक प्रमाण है, और वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन को, इस भावना का प्रतीक बनते हुए देखकर हमें गर्व है। जयपुर में होने वाली यह प्रतिष्ठित मैराथन राजस्थान और उसके बाहर के लोगों को एक ऐसे लक्ष्य के लिए एकजुट करती है जो हमारे दिल के बहुत करीब है।

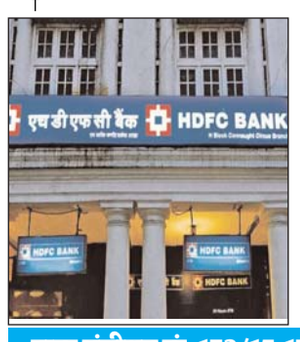

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश | राजस्थान | हरियाणा | छत्तीसगढ़ | महाराष्ट्र से प्रकाशित

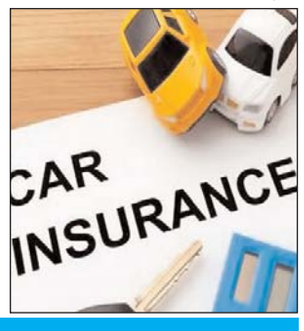

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17
5 एक हफ्ते में स्ह्ह्ल का मार्केट कैप ?60,656 करोड़ बढ़ा | सम्पादकीय केवल हंगामे पर जोर देता विपक्ष,.... | पुराने कार इंश्योरेंस का नो-क्लेम-बोनस नई 5

वर्ष 11 अंक 276 E-mail: dholpur@hotmail.com जयपुर, सोमवार 02 दिसम्बर 2024 ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

जनसंख्या वृद्धि दर 2.1 प्रतिशत से नीचे नहीं होनी चाहिए इसके लिए 2 की बजाय 3 बच्चे पैदा करें - मोहन भागवत

आर.एन.एस.

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जनसंख्या में कमी को चिंता का विषय बताया है। भागवत ने कहा कि जनसंख्या वृद्धि दर 2.1 प्रतिशत से नीचे नहीं होनी चाहिए। इसके लिए 2 की बजाय 3 बच्चे पैदा करें। यह संख्या इसलिए जरूरी है, ताकि समाज जिंदा रहे।

देश की जनसंख्या नीति 1998-2002 में तय की गई थी। इसके अनुसार अगर किसी समाज की जनसंख्या वृद्धि दर 2.1 से नीचे चली जाती है, तो वह समाज अपने आप नष्ट हो जाएगा।

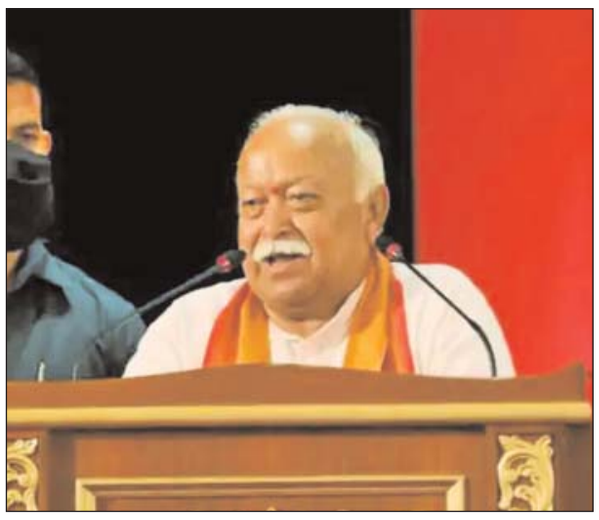

भागवत रविवार को नागपुर में

कठाले कुल सम्मेलन में एक सभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा- कुटुंब समाज का हिस्सा है और हर परिवार एक इकाई है।

अक्टूबर 2021- जनसंख्या दर में अंतर के कारण मुस्लिम आबादी बढ़ी विजयादशमी उत्सव के दौरान संघ प्रमुख ने कहा कि वर्ष 1951 से 2011 के बीच जनसंख्या वृद्धि दर में भारी अंतर के कारण देश की जनसंख्या में जहां भारत में उत्पन्न मत पंथों के अनुयायियों का अनुपात 88त्र से घटकर 83.8 प्रतिशत रह गया है। वहीं मुस्लिम जनसंख्या का अनुपात 9.8 प्रतिशत से बढ़कर 14.24 प्रतिशत हो गया है। असंतुलन पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा था कि जनसंख्या नीति होनी चाहिए।

जुलाई 2022- फर्टिलिटी रेट 2.1 से नीचे आना खतरनाक हो सकता है भागवत ने एक साल बाद फिर कहा- एक व्यापक जनसंख्या नियंत्रण नीति की जरूरत है। जो सभी पर बराबरी से लागू होती हो। जनसंख्या असंतुलन पर हमें नजर रखनी होगी। जब सभी पर बराबरी से एक नीति लागू होगी तो किसी को भी रियायतें नहीं मिलेंगी। कुछ साल पहले फर्टिलिटी रेट 2.1 था। दुनिया की आशंकाओं से उलट हमने बेहतर किया और इसे 2 तक लेकर आए, लेकिन और नीचे आना खतरनाक हो सकता है।

जय शाह ने आईसीसी चेयरमैन का पद संभाला

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आईसीसी का चेयरमैन पद संभाल लिया है। न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले की जगह लेने वाले 36 साल के जय शाह आईसीसी के सबसे कम उम्र के चेयरमैन बन गए हैं। आईसीसी ने सोशल मीडिया पोस्ट में इस बात की जानकारी दी। संस्था ने रविवार को लिखा- आईसीसी चेयरमैन के तौर पर जय शाह का कार्यकाल शुरू होने के साथ ग्लोबल क्रिकेट का नया चैप्टर शुरू हुआ है। पद संभालने के बाद शाह ने अपने पहले बयान में कहा कि क्रिकेट के अलग-अलग फॉर्मेट्स को बढ़ावा मिले और महिला क्रिकेट में और तेजी लाना हमारी प्राथमिकता है।

शाह ने कहा, आईसीसी अध्यक्ष की भूमिका के लिए चुने जाने पर डायरेक्टर्स और मेंबर बोर्ड्स के समर्थन और भरोसे के लिए आभारी हूं। ग्लोबल क्रिकेट में अपार

संभावनाएं हैं और मैं हर मौके पर खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए आईसीसी टीम और सदस्य देशों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।

आईसीसी के चेयरमैन ग्रेग बार्कले का कार्यकाल 30 नवंबर को खत्म हुआ था। वे 2020 से इस पद पर थे। आईसीसी ने 20 अगस्त को बताया था कि बार्कले तीसरा कार्यकाल नहीं लेंगे। इसके बाद नए चेयरमैन के लिए आवेदन मांगे गए। नॉमिनेशन फाइल करने की आखिरी तारीख मंगलवार, 27 अगस्त तक जय के अलावा पद के लिए किसी और ने नॉमिनेशन नहीं भरा था। ऐसे में चुनाव नहीं हुआ और वे निर्विरोध चुन लिए गए।

जय शाह इसी साल 22 सितंबर को 36 साल के हुए हैं। वे आईसीसी के सबसे युवा चेयरमैन हैं। उनसे पहले बने सभी 15 चेयरमैन की उम्र 55 साल से ज्यादा रही है।

2006 में साउथ अफ्रीका के पर्सी सोन 56 साल की उम्र में सबसे युवा प्रेसिडेंट बने थे।

महायुति में मतभेद नहीं, आराम करने गांव आया था - एकनाथ शिंदे

शिंदे ने अपने गांव सातारा में प्रेस कांफ्रेंस की

आर.एन.एस.

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र में नतीजे आए 8 दिन हो गए हैं लेकिन मुख्यमंत्री के चेहरे का आधिकारिक ऐलान बाकी है। शपथ ग्रहण समारोह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में 5 दिसंबर को शाम 5 बजे मुंबई के आजाद मैदान में होगा।

महायुति सरकार में मंत्रालय बंटवारे को लेकर पेंच फंसा है। दिल्ली में बैठक करके लौटे एकनाथ शिंदे सभी कार्यक्रम रद्द कर अचानक 29 नवंबर को सातारा स्थित पैतृक गांव चले गए थे। एक दिन बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई थी।

रविवार को शिंदे ने अपने गांव सातारा में प्रेस कांफ्रेंस करके कहा, मैं अब ठीक हूं। व्यस्त चुनावी कार्यक्रम के बाद मैं यहां आराम करने आया था। महायुति में कोई मतभेद नहीं है। मेरा पूरा समर्थन है। ष्टरूपर फैसला पीएम मोदी और अमित शाह लेंगे। इस दौरान उनसे गृह मंत्रालय पर चल रही खींचतान को लेकर तीन बार सवाल किया गया। शिंदे ने कोई जवाब नहीं दिया।

3 दिसंबर को भाजपा विधायक दल की बैठक होगी। हालांकि शिंदे ने कहा है कि 2 दिसंबर को सीएम तय हो जाएगा। दिल्ली से दो ऑब्जर्वर मुंबई आएंगे और विधायकों से चर्चा के बाद आधिकारिक रूप से ष्टरूफेस अनाउंस करेंगे। वहीं, डिप्टी ष्टरूअजित पवार ने शनिवार को कहा- सीएम भाजपा का होगा, यह तय हो गया है और शिवसेना- एनसीपी से 1-1 डिप्टी ष्टरूहोगा।

शिंदे सरकार में डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के पास ही गृह मंत्रालय था। वो इस मंत्रालय को छोड़ना नहीं चाहते हैं। वहीं शिंदे गुट का तर्क है कि अगर डिप्टी ष्टरूका पद हमें मिल रहा है तो गृह मंत्रालय भी उन्हें ही मिलना चाहिए। शाह के साथ बैठक में भी इसका हल नहीं निकल पाया।

पहले गृह मंत्रालय देवेन्द्र फड़णवीस के पास था। माना जा रहा है कि इस विवाद के चलते शाह की बैठक में कैबिनेट गठन पर कोई समाधान नहीं निकल सका। एक्सपर्ट्स भी मानते हैं कि बीजेपी गृह मंत्री का पद कभी हाथ से नहीं जाने देगी। सूत्रों के मुताबिक, शाह से चर्चा के बाद भी विभागों को लेकर गठबंधन में खींचतान मची हुई है। भाजपा गृह, राजस्व, उच्च शिक्षा, कानून, ऊर्जा, ग्रामीण विकास अपने पास रखना चाहती है। उन्होंने शिवसेना को हेल्थ, शहरी विकास, सार्वजनिक कार्य, उद्योग ऑफर किया है। वहीं हृष्टक्क अजित गुट को वित्त, योजना, सहयोग, कृषि जैसे विभाग देने की पेशकश की है।

मुंबई में 26 साल की महिला डिजिटल अरेस्ट

मनी लॉन्ड्रिंग में पूछताछ के लिए होटल बुक कराया, 1.7 लाख वसूले

आर.एन.एस.

मुंबई। मुंबई में एक 26 साल की महिला को डिजिटल अरेस्ट कर वीडियो कॉल पर उसके कपड़े उतरवाए गए। ठगों ने फार्मास्यूटिकल कंपनी में काम करने वाली महिला के सामने खुद को दिल्ली पुलिस का अफसर बताया। आरोपियों ने महिला से कहा कि उसका नाम जेट एयरवेज के फाउंडर-चेयरमैन नरेश गोयल से जुड़े एक मनी लॉन्ड्रिंग केस में आया है। गोयल अभी जेल में है। इसके बाद ठगों ने महिला से 1.7 लाख रुपए की वसूली की।

पूछताछ के लिए होटल रूम बुक कराया मुंबई में रहने वाली एक 26 साल की महिला को ठगों ने 19 नवंबर को कॉल करके बताया कि उसका नाम मनी लॉन्ड्रिंग केस में आया है। महिला को अपनी बात पर यकीन दिलाकर ठगों ने वॉयस कॉल को वीडियो कॉल पर शिफ्ट किया। इसके बाद आगे की

पूछताछ के लिए महिला से होटल रूम में चेक इन करने को कहा।

बैंक अकाउंट वेरीफाई करने 1.7 लाख ट्रांसफर कराए

होटल में चेक इन के बाद ठगों ने वीडियो कॉल पर ही महिला की बैंक डिटैल वेरीफाई करने के लिए 1 लाख 78 हजार रूपए ट्रांसफर करने को कहा। इसके बाद बॉडी वेरिफिकेशन के लिए ठगों ने महिला से उसके कपड़े भी उतरवाए

जब महिला को इस बात का अहसास हुआ कि उसे ठगा गया है तो उसने 28 नवंबर को पुलिस में मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संभल हिंसा की जांच के लिए न्यायिक आयोग की टीम जामा मस्जिद पहुंची

आर.एन.एस.

संभल। संभल हिंसा की जांच के लिए न्यायिक आयोग की टीम रविवार को जामा मस्जिद पहुंच गई है। 3 मेंबर्स की टीम में हाईकोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस डीके अरोड़ा, यूपी के पूर्व डीजीपी अरविंद कुमार जैन और रिटायर्ड प्रमुख सचिव अमित मोहन प्रसाद हैं। अमित मोहन आज नहीं पहुंच पाए।

टीम ने सबसे पहले हिंसा प्रभावित जामा मस्जिद के बाहर का निरीक्षण किया और फिर मस्जिद के अंदर गई। एसपी कृष्ण विश्नोई ने टीम को ब्रीफ किया। उन्होंने बताया कि 24 नवंबर के दिन किन घरों से पथराव हुआ और कहां से हिंसा की शुरुआत हुई। कमिश्नर, डीआईजी और डीएम भी साथ हैं।

शनिवार को शाही जामा मस्जिद मामले में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने चंदौसी कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया। एएसआई के वकील विष्णु शर्मा ने कहा- यहां प्राचीन इमारत और

पुरातत्व अवशेषों के संरक्षण अधिनियम का उल्लंघन किया गया। मस्जिद के बाहर सीढ़ियों पर जो निर्माण करवाया गया है, उसके खिलाफ पहले से एफआईआर दर्ज है।

सपा महासचिव शिवपाल यादव ने कहा- मुसलमानों का मनोबल गिराना चाहती है यूपी सरकार

सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने हापुड़ में कहा, संभल में जो घटना हुई वह सरकार द्वारा कराई गई है, वे सीधे तौर पर मुसलमानों का मनोबल गिराना चाहते हैं। भाजपा कोई विकास नहीं कर रही, वह सिर्फ अपराधियों को संरक्षण देकर दंगे भड़काने का काम कर रही है। भाजपा सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त है, कहीं विकास कार्य नहीं हो रहा है, वह सिर्फ झूठ बोलते हैं।

अयोध्या सांसद अवधेश बोले- संसद मुद्दा उठाना चाहते थे, सरकार ने सदन चलने नहीं दिया

संभल हिंसा पर अयोध्या के सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा, संभल की घटना बेहद दुखद है। इस घटना से प्रदेश का भाईचारा और शांति व्यवस्था भी प्रभावित हुई है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले के जरिए एक बड़ी घटना को होने से रोका है और प्रदेश में कानून का राज बहाल करने में मदद की है। हम संभल की घटना को संसद में भी उठाना चाहते थे,

ईवीएम हैक करने का दावा करने वाले पर एफआईआर

आरोपी ने कहा था- 53 करोड़ दो महाराष्ट्र में 63 सीटों की ईवीएम हैक कर देंगे

आर.एन.एस.

मुंबई। चुनाव आयोग ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन हैक करने का दावा करने वाले सैयद शुजा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। 30 नवंबर को साउथ मुंबई के साइबर पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता और आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

14 नवंबर को सैयद शुजा का एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें वो दावा कर रहा था कि वह महाराष्ट्र चुनावों में इस्तेमाल की जाने वाली ईवीएम को हैक कर सकता है। उसने नेताओं को ऑफर भी दिया था कि 53 करोड़ देने पर 63 सीटों की ईवीएम हैक कर देगा। महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि ईवीएम हैक करने के दावे बिल्कुल निराधार,

झूठे और अप्रमाणित हैं।

हैकर शुजा ने नेताओं को चुनाव जिताने का लालच दिया था महाराष्ट्र चुनाव के दौरान सैयद शुजा ने कुछ नेताओं से चुनाव जिताने के लिए संपर्क किया था। उनसे दावा किया था कि वह अमेरिकी रक्षा विभाग की तकनीक का इस्तेमाल करके ईवीएम हैक कर सकता। इसके लिए वो पैसे लेगा। शुजा का कहना है कि वह अमेरिकी रक्षा विभाग में कॉन्ट्रेक्ट पर काम करता है। शुजा ने 2019 में भी यही दावा किया था लंदन में 21 जनवरी 2019 को सैयद शुजा ने भारतीय पत्रकार संघ की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी ऐसा दावा किया था। शुजा ने कहा था कि उसने 2009 से 2014 तक इलेक्ट्रॉनिक कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के साथ काम किया।

फेंगल तूफान से पुडुचेरी में बाढ़ जैसे हालात बारिश का 30 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा

आर.एन.एस.

चेन्नई। बंगाल की खाड़ी से 25 नवंबर को उठा फेंगल तूफान 30 नवंबर, शाम 7:30 बजे पुडुचेरी के कराईकल और तमिलनाडु के महाबलीपुरम के बीच समुद्र तट से टकराया। लैंडफॉल प्रोसेस रात 11.30 बजे तक चला। इस दौरान भारी बारिश के साथ 90 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चली। तूफान का असर केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में भी है।

आईएमडी के मुताबिक 30 नवंबर को लैंडफॉल के बाद फेंगल यहीं अटका हुआ है, लेकिन कुछ घंटों में धीरे-धीरे यह कमजोर हो जाएगा। इसके चलते रविवार को पुडुचेरी, कडलोर, विल्लुपुरम और चेन्नई में भारी बारिश का अनुमान जताया गया है। पुडुचेरी में 24 घंटों के दौरान 48.4 सेमी बारिश हुई। यह 30 साल में एक दिन में सबसे ज्यादा बारिश है।

तूफान के कारण चेन्नई एयरपोर्ट दोपहर 12 बजे बंद कर दिया गया था,

जो रात 1 बजे शुरू हो पाया। आधी रात के बाद उड़ानें शुरू हुईं, लेकिन कई फ्लाइट्स कैंसिल की गईं। कुछ देरी से पहुंचीं। तूफान के चलते 24 डोमेस्टिक फ्लाइट्स रद्द कर दी गईं। 26 इंटरनेशनल फ्लाइट्स में देरी हुई।

चेन्नई एयरपोर्ट का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें लैंडिंग के दौरान इंडिगो की फ्लाइट क्रॉस विंड में फंसकर लहराने लगी। पायलट प्लेन को वापस उड़ा ले गया। घटना को लेकर इंडिगो ने कहा कि मुंबई-चेन्नई फ्लाइट 6श्व 683 भारी बारिश और तेज हवाओं में फंस गई थी। उसकी सुरक्षित लैंडिंग नहीं हो पाती, इसलिए पायलट ने सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत विमान को गो-अराउंड किया।

तूफान का असर तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और पुडुचेरी में पड़ा। तमिलनाडु सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। यहां भारी बारिश के चलते धान की फसल को काफी नुकसान पहुंचा। नागपट्टिनम में करीब 800 एकड़ से ज्यादा की फसल खराब हुई।

ग्रेहाउंड्स फोर्स ने महिला नक्सली समेत 7 नक्सलियों को मार गिराया

आर.एन.एस.

छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर ग्रेहाउंड्स फोर्स ने महिला नक्सली समेत 7 नक्सलियों को मार गिराया है। जवानों ने मौके से एक-47 समेत अन्य हथियार भी बरामद किए हैं। बताया जा रहा है कि सुबह से दोनों तरफ से गोलीबारी हो रही थी। मामला तेलंगाना के मुलुगु जिले के ईटूनगरम थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार, मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने सभी नक्सलियों के शव बरामद कर लिए हैं। इलाके में सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है। बताया जा रहा है कि नक्सली किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे, लेकिन जवानों ने मुठभेड़ में उन्हें ढेर कर दिया। इसी

हफ्ते केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी बस्तर दौरे पर आने वाले हैं।

मारे गए नक्सलियों की हुई पहचान

मारे गए नक्सलियों की पहचान हो गई है।

इनमें तेलंगाना स्टेट कमेटी मेंबर, डिविजनल कमेटी मेंबर, एरिया कमेटी मेंबर और पार्टी के 2 सदस्य शामिल हैं। सुरक्षाबलों ने सभी नक्सलियों के शव बरामद कर लिए हैं। प्रदेश में इस साल 207 से अधिकर नक्सली मारे गए हैं।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह के दौरे के पहले नक्सल ऑपरेशन तेज

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह दिसंबर के पहले सप्ताह में छत्तीसगढ़ आने वाले हैं। बस्तर में ओलिंपिक खेल कार्यक्रम के समापन समारोह में शामिल होंगे। साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों से अमित शाह नक्सलवाद खात्मे की रणनीति को लेकर मीटिंग करेंगे।

सीरिया में विद्रोहियों ने 4 दिन में कब्जाया अलेप्पो शहर, सेना भागी, लोगों को घरों में रहने के आदेश

दमिश्क। सीरिया में विद्रोही गुटों ने 4 दिन के भीतर अलेप्पो शहर के ज्यादातर हिस्सों पर कब्जा कर लिया है। ष्टह्ह की रिपोर्ट के मुताबिक, यह हमला बुधवार को शुरू हुआ था और शनिवार तक आस-पास के गांवों पर कब्जा करते हुए लड़ाकों ने अलेप्पो का बड़ा हिस्सा अपने कंट्रोल में ले लिया। इससे सीरियाई सेना को अपनी पोस्ट से पीछे हटना पड़ा। हमले में कई दर्जन सैनिकों की मौत हो गई। विद्रोहियों ने एयरपोर्ट के साथ शहर के सभी मुख्य इलाकों पर कब्जा कर लिया है। कब्जा करने के बाद लड़ाके सड़कों पर हवाई फायर करते और अल्लाह-हू-अकबर के नारे लगाते नजर आए। इसके बाद नागरिकों की सुरक्षा के लिए शनिवार को 24 घंटे तक घरों के भीतर रहने के आदेश दे दिए गए। बीबीसी के मुताबिक अब तक इन हमलों में अब तक 300 से ज्यादा लोगों मारे जा चुके हैं, जिसमें से 20 आम नागरिक हैं।साल 2016 में असद की सेना ने इन विद्रोहियों को अलेप्पो से खदेड़ दिया था। अब 8 साल बाद यहां वापस विद्रोहियों का कब्जा हो गया है। हालांकि, अलेप्पो के उत्तरी हिस्से के कुछ इलाकों पर अभी भी सीरियाई सेना और ईरानी मिलिशिया का कंट्रोल है।रूस ने सीरियाई सेना की मदद के लिए विद्रोही गुटों के काफिलों और ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं।

पश्चिम बंगाल में डॉक्टर ने क्लीनिक में तिरंगा लगाया, मैसेज लिखा- बांग्लादेशी मरीज झंडे को सलाम करें, तभी इलाज होगा

आर.एन.एस.

कोलकाता। बांग्लादेश में हिंदुओं पर लगातार हो रहे हमले के विरोध में पश्चिम बंगाल में डॉक्टरों ने बांग्लादेशी मरीजों का इलाज करने से इनकार कर दिया। सिलीगुड़ी में डॉक्टर शेखर बंदोपाध्याय ने अपने प्राइवेट क्लीनिक में तिरंगा लगा लिया। झंडे के साथ मैसेज लिखा कि, भारत का राष्ट्रीय ध्वज हमारी मां की तरह है। कृपया चैंबर में एंट्री करने से पहले तिरंगे को सलाम करें। खासकर बांग्लादेशी मरीज, अगर वे सलाम नहीं करते हैं, तो उन्हें अंदर आने नहीं दिया जाएगा।डॉक्टर बोले- मेरे देश में आकर तिरंगे का सम्मान जरूर करें डॉक्टर शेखर बंदोपाध्याय उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज अस्पताल में श्वहृञ्ज विभाग में विशेष चिकित्सा अधिकारी के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में कहा, मुझे यह देखकर दुख हुआ कि बांग्लादेश में हमारे राष्ट्रीय ध्वज का अपमान हो रहा है। एक डॉक्टर के तौर पर मैं मरीजों को मना नहीं करना चाहता। लेकिन जो लोग मेरे देश में आते हैं, उन्हें हमारे झंडे, हमारी मातृभूमि का सम्मान करना चाहिए। ऐसा लगता है कि बांग्लादेश तालिबानी मानसिकता में चला गया है।एक दूसरे डॉक्टर बोले- वे किसी बांग्लादेशी मरीज का इलाज नहीं करेंगे एक अन्य डॉक्टर, जनरल सर्जन और चाइल्ड स्पेशलिस्ट चंद्रनाथ अधिकारी ने घोषणा की है कि वे अपने प्राइवेट क्लीनिक में किसी भी बांग्लादेशी मरीज का इलाज नहीं करेंगे। डॉक्टर ने कहा, मैं बोलपुर के एक सरकारी अस्पताल से जुड़ा हुआ हूं।वहां, मैं किसी भी मरीज को मना नहीं कर सकता। लेकिन मुझे अपने क्लीनिक में ऐसा करने की आजादी है। मैंने फैसला किया है कि मैं बांग्लादेश के मरीजों को नहीं देखूंगा। मेरा देश पहले आता है। बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है, वह हम सभी के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी भोपाल में नवंबर में ठंड का 36 साल का रिकॉर्ड टूटा

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। उत्तर भारत में ठंड शुरू हो गई है। यूपी-बिहार समेत देश के 5 राज्यों में कोहरा छाया हुआ है। मध्य प्रदेश के भोपाल में शनिवार रात का टेंपरेचर 8 डिग्री तक पहुंच गया। पिछले 36 साल में नवंबर में यह सबसे कम टेंपरेचर रहा। उधर पाकिस्तान से एक डिस्टर्बेंस जम्मू-कश्मीर पहुंच रहा है। कश्मीर में बर्फबारी हो रही है। लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में अगले दो दिनों में बर्फबारी हो सकती है। फेंगल तूफान से आज भी पुडुचेरी में भारी बारिश होगी। आईएमडी के मुताबिक 30 नवंबर को लैंडफॉल के बाद फेंगल यहीं रुका हुआ है, लेकिन अगले तीन घंटों में धीरे-धीरे कमजोर हो जाएगा। अब तक 46 सीएम से ज्यादा बारिश हुई है। तमिलनाडु में भी बारिश का दौर जारी है। वहीं राजधानी दिल्ली में एक्यूआई 375 रिकॉर्ड हुआ। यह अब भी बहुत खराब कैटेगरी में है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर 2 दिसंबर तक ग्रेप -4 के प्रतिबंध जारी रहेगा।

संपादकीय

केवल हंगामे पर जोर देता विपक्ष, हंगामे की भेंट चढ़ा शीतकालीन सत्र का पहला सप्ताह

कांग्रेस संसद में गौतम अदाणी मामले के साथ मणिपुर की हिंसा को भी मुद्दा बना रही है लेकिन यह स्पष्ट ही है कि उसके निशाने पर अदाणी ही हैं। निःसंदेह शांत होता मणिपुर फिर से अशांत हो गया है और वहां के हालात पर संसद में चर्चा होनी चाहिए लेकिन कांग्रेस का उद्देश्य हंगामा करना ही अधिक नजर आता है। संसद के शीतकालीन सत्र का पहला सप्ताह हंगामे की भेंट चढ़ गया। इसका अंदेशा पहले से था, क्योंकि कांग्रेस और कुछ अन्य दलों ने अदाणी प्रकरण, मणिपुर की हिंसा के साथ कुछ अन्य मामलों पर जोर देने का एलान कर दिया था। इनमें से एक मामला संभल की हिंसा का भी जुड़ गया, जो संसद सत्र शुरू होने के पहले ही सामने आया। अदाणी प्रकरण भी कुछ दिनों पहले चर्चा में आया था। क्या यह महज एक दुर्योग है कि पिछले कुछ समय से संसद सत्र के पहले कोई न कोई सनसनीखेज मामला सामने आ जाता है? यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि अतीत में पेगासस जासूसी और अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग की रपटें संसद का सत्र शुरू होने के पहले ही आईं। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल अचानक आए ऐसे मुद्दों को लपक लेते हैं। संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने के चंद दिन पहले अमेरिकी अदालत का यह सनसनीखेज आदेश आया कि अदाणी समूह की कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी की ओर से भारत में सौर ऊर्जा की आपूर्ति के लिए कुछ राज्य सरकारों को रिश्वत दी गई और चूंकि सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए अमेरिका के निवेशकों से पैसा लिया गया, इसलिए अमेरिका के कानूनों के तहत इस मामले की जांच अमेरिकी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन की ओर से की जा रही है। इस मामले में अदाणी समूह के प्रमुख गौतम अदाणी, उनके भतीजे सागर अदाणी और अदाणी ग्रीन एनर्जी के कुछ अधिकारियों को आरोपित किया गया है। न्यूयार्क की अदालत की मानें तो अदाणी ग्रीन एनर्जी ने 22 सौ करोड़ रुपये से ज्यादा की रिश्वत दी।

अदाणी समूह पहली बार विवादों में नहीं आया। इसके पहले अमेरिकी रिसर्च एजेंसी हिंडनबर्ग की ओर से यह आरोप लगाया गया था कि इस समूह ने अपने शेयरों में हेराफेरी की। यह रिपोर्ट आने के बाद अदाणी समूह को अच्छा-खासा नुकसान उठाना पड़ा था, लेकिन बाद में एक बड़ी हद तक क्षति की भरपाई हो गई, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को सही नहीं माना। इसके कुछ समय बाद हिंडनबर्ग ने अदाणी समूह पर निशाना साधते हुए सेबी अध्यक्ष माधवी पुरी बुच को भी कठघरे में खड़ा किया। उसका आरोप था कि सेबी प्रमुख के रूप में उन्होंने अदाणी समूह पर लगे आरोपों की सही तरह जांच करने के बजाय उसका बचाव किया। इस आरोप का कोई असर निवेशकों पर नहीं पड़ा। न्यूयार्क की अदालत की ओर से आए आदेश के बाद अदाणी समूह शेयर बाजार में हुए नुकसान से उबर रहा है। साफ है कि भारतीय निवेशक न्यूयार्क की अदालत के आरोपों को ज्यादा महत्व नहीं दे रहे हैं। अदाणी समूह का बचाव जाने-माने वकील महेश जेठमलानी की ओर से भी किया गया। उनके अनुसार अमेरिकी अदालत के अभियोग में भारत में रिश्वत देने को लेकर कोई सुबूत पेश नहीं किया गया और उसमें यह भी नहीं बताया गया कि भारत में किस कानून का उल्लंघन हुआ है। पूर्व अटार्नी जनरल मुकुल रोहतगी का भी यह कहना है कि आरोप गौतम अदाणी या उनके भतीजे सागर अदाणी पर नहीं, बल्कि उनकी कंपनियों पर हैं और यह भी स्पष्ट नहीं कि रिश्वत कैसे दी गई? सच जो भी हो, यह देखना दिलचस्प है कि अदाणी मामले को तूल दे रही कांग्रेस को सहयोगी दलों का साथ नहीं मिल रहा है। तृणमल कांग्रेस ने साफ संकेत दिया है कि वह संसद में अदाणी मामले को तूल नहीं देने वाली। यह भी कांग्रेस के लिए झटका है कि आइएनडीआइए की एक अन्य घटक माकपा भी इस मामले को तूल देने को तैयार नहीं। बीते दिनों ही माकपा के नेतृत्व वाली केरल की वाम मोर्चा सरकार ने अदाणी समूह के साथ बंदरगाह के विकास को लेकर एक समझौता किया है। देखना है कि इसके बाद कांग्रेस क्या करती है?

भारत का पुराना परीक्षा जुनून छात्रों के भविष्य को कैसे प्रभावित कर रहा है?

भारत भर में बड़ी संख्या में छात्र कई प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, जिस पर दबाव तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे देश में जहां कैट, एनईईटी और जेईई जैसी प्रवेश परीक्षाओं में सफलता अक्सर किसी के भविष्य को परिभाषित करती प्रतीत होती है, यह क्षण सब कुछ या कुछ भी नहीं जुआ जैसा लगता है। बहुत से लोगों के लिए, इन परीक्षाओं में असफलता जीवन में विफलता के बराबर होती है। हर साल, 10 लाख से अधिक छात्र जेईई मेन परीक्षा के लिए पंजीकरण करते हैं, जबकि एनईईटी और भी अधिक उम्मीदवारों को आकर्षित करता है, 2024 में 23.8 लाख पंजीकरण के साथ महिला उम्मीदवारों की संख्या पुरुषों से काफी अधिक है। करियर को आकार देने के लिए होने वाली ये परीक्षाएं बड़ी तनाव पैदा करने वाली बन गई हैं, छात्र भारी सामाजिक और पारिवारिक दबाव के तहत 14 या 15 साल की उम्र में ही तैयारी शुरू कर देते हैं।

भारत में परीक्षा के प्रति गहरा जुनून एक सांस्कृतिक और सामाजिक घटना है जिसने छात्रों, परिवारों और शैक्षिक प्रणालियों को लंबे समय तक प्रभावित किया है। इस ÷परीक्षा जुनून÷ की जड़ें इस विश्वास में हैं कि परीक्षा शैक्षणिक और व्यक्तिगत सफलता का सबसे विश्वसनीय उपाय है। भारत की परीक्षा-केंद्रित शिक्षा प्रणाली छात्रों के व्यक्तिगत विकास, करियर विकल्पों और वैश्विक मांगों के प्रति अनुकूलन क्षमता को सीमित करती है। भारत भर में बड़ी संख्या में छात्र कई प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, जिस पर दबाव तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे देश में जहां कैट, एनईईटी और जेईई जैसी प्रवेश परीक्षाओं में सफलता अक्सर किसी के भविष्य को परिभाषित करती प्रतीत होती है, यह क्षण सब कुछ या कुछ भी नहीं जुआ जैसा लगता है। बहुत से लोगों के लिए, इन परीक्षाओं में असफलता जीवन में विफलता के बराबर होती है। हर साल, 10 लाख से अधिक छात्र जेईई मेन परीक्षा के लिए पंजीकरण करते हैं, जबकि एनईईटी और भी अधिक उम्मीदवारों को आकर्षित करता है, 2024 में 23.8 लाख पंजीकरण के साथ महिला उम्मीदवारों की संख्या पुरुषों से काफी अधिक है। करियर को आकार देने के लिए होने वाली ये परीक्षाएं बड़ी तनाव पैदा करने वाली बन गई हैं, छात्र भारी सामाजिक और पारिवारिक दबाव के तहत 14 या 15 साल की उम्र में ही तैयारी शुरू कर देते हैं। नीट 2024 जैसे विवादों से बढ़ी तीव्र प्रतिस्पर्धा और अनिश्चितता ने चिंताजनक मानसिक स्वास्थ्य संकट को जन्म दिया है। 2022 में, 13,000 से अधिक छात्रों की आत्महत्या की सूचना मिली, जो ऐसी सभी मौतों का 7.6 प्रतिशत है, जो सुधार की तत्काल आवश्यकता को उजागर करता है। लेकिन क्या अब इस आख्यान पर पुनर्विचार करने का समय आ गया है? भारत की %परीक्षा संस्कृति% की लंबे समय से परीक्षण पर गहन ध्यान केंद्रित करने के लिए आलोचना की जाती रही है, अक्सर भावनात्मक कल्याण और व्यापक कौशल विकास की कीमत पर। वैकल्पिक शैक्षिक मार्गों और उद्योग-आधारित शिक्षा के उदय के बावजूद, यह धारणा कायम है कि परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना ही समृद्ध करियर का एकमात्र रास्ता है। यह न केवल असत्य है, बल्कि हानिकारक भी है, यह न केवल

छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव डालता है बल्कि उन्हें वास्तविक दुनिया कैसे काम करती है, इसके बारे में गलत दृष्टिकोण देता है। परीक्षा के दबाव की कीमत कोटा जैसे शहरों में, जिन्हें अक्सर भारत की %कोचिंग राजधानी% कहा जाता है, हर साल हजारों छात्र सुनहरे टिकट की तलाश में पलायन करते हैं, जो विशिष्ट संस्थानों में प्रवेश का वादा करता है। हाल की रिपोर्टों के अनुसार, कोटा में हर साल 200,000 छात्र आते हैं, जिससे 600 अरब रुपये से अधिक की कमाई करने वाले कोचिंग उद्योग को बढ़ावा मिलता है। फिर भी इस फलते-फूलते व्यवसाय के पीछे एक कड़वी सच्चाई है कि छात्र, जिनमें से कुछ 16 वर्ष की आयु के भी हैं, अत्यधिक दबाव झेलते हैं, अक्सर अपने मानसिक स्वास्थ्य की कीमत पर। एक हालिया रिपोर्ट से पता चला है कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले 30त्न छात्र गंभीर चिंता की शिकायत करते हैं, जिनमें से कुछ अवसाद के चक्र में गिर जाते हैं। संख्याएँ एक गंभीर तस्वीर पेश करती हैं, लेकिन अंतर्निहित मुद्दा और भी अधिक चिंताजनक है- छात्रों की एक बड़ी संख्या का मानना ??है कि परीक्षा में असफल होने का मतलब उनके भविष्य का अंत है। यह सच्चाई से दूर नहीं हो सकता है। ÷हमने एक ऐसी संस्कृति बनाई है जहां सफलता को परीक्षा के अंकों द्वारा सीमित रूप से परिभाषित किया जाता है, और यह अविश्वसनीय रूप से हानिकारक है। परीक्षाएँ केवल एक रास्ता है, एकमात्र मार्ग नहीं। इन प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में शीर्ष अंक प्राप्त किए बिना सार्थक और सफल करियर बनाने के अनगिनत तरीके हैं। फोकस की कमी ऐसा नहीं है कि परीक्षा की तैयारी करना कोई बुरी बात है. यह कड़ी मेहनत, अनुशासन और लचीलेपन के गुण पैदा करता है। लेकिन वास्तविक दुनिया में सफल होने के लिए और भी कौशल की आवश्यकता होती है। विश्व आर्थिक मंच की एक रिपोर्ट के अनुसार, 75त्न भारतीय नियोक्ता अब समस्या-समाधान, आलोचनात्मक सोच और भावनात्मक कौशल जैसे कौशल को प्राथमिकता देते हैं।महज शैक्षणिक साख से अधिक बुद्धिमत्ता। ÷हम देख रहे हैं कि अधिक से अधिक कंपनियां इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं कि उम्मीदवार क्या कर सकते हैं, बजाय इसके कि उन्होंने कौन सी परीक्षा उत्तीर्ण की है। समस्या यह है कि कई छात्रों को इस बदलाव के बारे में पता नहीं है क्योंकि सिस्टम उन्हें बताता रहता है कि परीक्षा ही सब कुछ है।%% यही ग़लतफ़हमी है जो कोचिंग उन्माद को बढ़ावा देती रहती है। इस बात को नजरअंदाज कर दिया गया है कि सभी भारतीय स्नातकों में से लगभग आधे अपनी प्रभावशाली शैक्षणिक योग्यता के बावजूद, उन नौकरियों के लिए तैयार नहीं महसूस करते हैं जिनके लिए वे आवेदन कर रहे हैं। अतीत की प्रणालियों से आगे बढ़ना भारत की शिक्षा प्रणाली सैद्धांतिक ज्ञान पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए कुख्यात है। कई छात्र, स्कूली परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के बावजूद, विभिन्न प्रश्न पैटर्न और विश्लेषणात्मक मांगों के कारण प्रवेश परीक्षाओं में खुद को संघर्ष करते हुए पाते हैं। जो लोग इन परीक्षाओं में सफल होते हैं उन्हें अभी भी कार्यस्थल पर संघर्ष करना पड़ सकता है। ÷शैक्षणिक शिक्षा और उद्योग की आवश्यकताओं के बीच एक अंतर है,÷ ÷कई संस्थान रटकर सीखने और सिद्धांत पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखते हैं, जबकि नियोक्ता वास्तविक दुनिया की समस्या-समाधान कौशल की मांग कर रहे हैं। यह विसंगति छात्रों को अप्रस्तुत महसूस कराती है और कोचिंग सेंटरों के विस्फोट की ओर ले जाती है। ऐसे कार्यक्रम जो इंटर्नशिप, प्रोजेक्ट-आधारित शिक्षा और उद्योग प्रदर्शन को प्रोत्साहित करते हैं, इस विभाजन को पाटने में महत्वपूर्ण हैं। ÷इसके अलावा भी, उद्योग-प्रासंगिक कौशल विकसित करने के इतने सारे अवसर हैं कि छात्र चाहे कहीं भी हों, शुरुआत कर सकते हैं। एकाधिक ड्रॉप वर्ष लेने का कोई मतलब नहीं है। विद्यार्थियों को इन परीक्षाओं की तैयारी जरूर करनी चाहिए, लेकिन मैं उनसे हमेशा कहता हूं कि इसके लिए अपनी जिंदगी मत रोको। एक इंटर्नशिप चुनें, एक इंस्टाग्राम पेज बनाएं, अपने स्थानीय व्यवसायों की मदद करें, एक व्यावहारिक पाठ्यक्रम चुनें और वास्तव में अपने लिए वैकल्पिकता का निर्माण करें। भारत की परीक्षा संस्कृति में गहरे विश्वास के बावजूद, बढ़ती संख्या में आवाजें फोकस में बदलाव की मांग कर रही हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) ने समग्र विकास, व्यावहारिक कौशल और उद्यमशीलता शिक्षा को बढ़ावा देकर इन कमियों को दूर करने के लिए कई कदम आगे बढ़ाए हैं। लेकिन आगामी परीक्षाओं का बोझ महसूस कर रहे हजारों छात्रों के लिए यह सुधार इतनी जल्दी नहीं आ सकता। निष्कर्ष ÷सफलता सभी के लिए एक ही आकार की यात्रा नहीं है। चाहे वह परीक्षा, कौशल या दोनों के संयोजन के माध्यम से हो, छात्रों के पास संतोषजनक करियर बनाने के अनगिनत अवसर हैं। अब समय आ गया है कि हम उन वैकल्पिक मार्गों का भी उतना ही जश्न मनाना शुरू करें, जितना हम शीर्ष परीक्षा अंकों का जश्न मनाते हैं।%% भारत में सफलता का मार्ग पारंपरिक परीक्षाओं से आगे बढ़ाया जाना चाहिए। जबकि कैट, एनईईटी और जेईई जैसे परीक्षण महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे, उन्हें एकमात्र विकल्प के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

(लेखक विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब)

पाक में क्यों बह रहा शिया मुसलमानों का खून

मोहम्मद अली जिन्ना ने जिस इस्लामिक देश पाकिस्तान को बनवाया था, वहां मुसलमान ही अब मुसलमानों की जान के दुश्मन हो गये हैं। वहां सुन्नी और शिया समुदायों के बीच हुए हालिया संघर्ष में 100 से ज्यादा लोगों का खून बहा। हिंसा खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अफगानिस्तान की सीमा से लगे कुर्रम जिले में हुई। सुन्नी बहुल पाकिस्तान में 24 करोड़ की आबादी में शिया मुस्लिम लगभग 15 प्रतिशत ही हैं। पाकिस्तान में शिया और सुन्नी मुसलमानों के बीच का हालिया संघर्ष जटिल है, जिसके जड़ें सदियों पुरानी धार्मिक और राजनीतिक विभाजन के इतिहास पर टिकी हैं। वैसे तो कुछ कट्टरपंथी समूह तो दोनों पक्षों में ही मौजूद हैं जो हिंसा का इस्तेमाल करके ही अपने धार्मिक विचारों को आगे बढ़ाने में विश्वास रखते हैं। ये समूह साम्प्रदायिक भेदभाव को बढ़ावा देते हैं और हिंसा को सही ठहराते हैं। पाकिस्तान में सुन्नी समुदाय कतई शिया मुसलमानों को पसंद नहीं करते। इससे साफ है कि इस्लाम अपने मानने वालों को भी नहीं जोड़ता। हालांकि बातें बहुत होती हैं कि सारी दुनिया के मुसलमान एक हैं। लेकिन , ये अपनी इस बात को तो स्वयं ही बार-बार गलत साबित करते रहते हैं। पाकिस्तान में शिया मस्जिदों में धमाके और विष्फोट होना भी आम बात हो चुकी है। पेशावर में मई, 2022 में शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान हुए दिल दहलाने वाले आत्मघाती बम विस्फोट में लगभग 60 से अधिक शिया नमाजी मारे गए थे।। हमलावरों ने निशाना बनाया था शिया मुसलमानों और उनकी इबादतगाह को। यह भी याद रखा जाए कि एक इस्लामिक मुल्क में ही शिया मुसलमानों का जीना मुश्किल हो गया है। वे हर वक्त डर-भय के साए में जीने को मजबूर बने रहते हैं। यह हाल उस पाकिस्तान का है जो मुसलमानों के वतन के रूप में बना था। पेशावर की शिया मस्जिद में हुआ हमला कोई अपने आप में पहली बार नहीं हुआ था। वहां पर शिया मुसलमानों पर लगातार जुल्मों-सितम होते रहे हैं। पाकिस्तान में लगातार प्रतिबंधित संगठन शियाओं के ख़िलाफ़ खुलेआम प्रदर्शन भी करते हैं। इस तरह के ज्यादातर प्रदर्शन लाहौर, क्वेटा, पेशावर वगैरह शहरों में देखने को मिलते हैं। वहां पर शिया मुसलमानों के खिलाफ माहौल बनाने वाला साहित्य भी हर जगह आसानी से वहाँ पर आम लोगों को आसानी से उपलब्ध है। तालिबान और इसी तरह के अन्य अतिवादी समूहों के विचारों का प्रभाव पाकिस्तान में है, जो साम्प्रदायिक संघर्षों को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। यह समूह अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए शिया-सुन्नी संघर्ष का उपयोग आम तौर पर करते हैं। पाकिस्तान में कुछ सियासी नेता साम्प्रदायिक तनाव को अपने राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करते हैं। वे मतदाताओं को लुभाने के लिए और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को कमजोर करने के लिए साम्प्रदायिक भावनाओं को भड़काते हैं। बेशक, पाकिस्तान सरकार की सुन्नी परस्त नीति के कारण साम्प्रदायिक हिंसा को रोकने में नाकामी, या यहां तक कि कुछ मामलों में इसमें सहयोग करने से, इस समस्या को और बढ़ावा मिलता है। पाकिस्तान में कुछ सुन्नी जिन्ना को भी शिया बताते हैं। कौन जाने की एक बार जिन्ना शिया साबित कर दिए गए तो उनकी विरासत को भी बिना कुछ जाने समझे ही पाकिस्तान में धूल में मिला दिया जायेगा। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों, विशेषकर शिया मुसलमानों, हिंदुओं, ईसाइयों और सिखों के साथ भेदभाव के कई जटिल कारण हैं, जिनमें धार्मिक कट्टरता, राजनीतिक उद्देश्य और कई सामाजिक-आर्थिक कारक शामिल हैं। कोई एकल कारण नहीं है, बल्कि ये कारक आपस में जुड़े हुए हैं। पाकिस्तान में कुछ अतिवादी आतंकी धार्मिक समूहों का प्रभाव काफी है , जो सुन्नी इस्लाम के एक विशेष व्याख्या का प्रचार करते हैं जो अन्य धर्मों और शिया इस्लाम के प्रति असहिष्णुता को बढ़ावा देता है। कुछ राजनीतिक दलों और नेताओं ने अपनी राजनीतिक शक्ति बढ़ाने के लिए धार्मिक भावनाओं का इस्तेमाल किया है। वे अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा देते हैं, उन्हें ÷दूसरे÷ के रूप में चित्रित करते हैं, जिससे सामाजिक विभाजन बढ़ता है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों को अक्सर सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित किया जाता है। उन्हें अच्छी शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा तक सीमित पहुँच होती है, जिससे वे और भी हाशिए पर आते ही चले जाते हैं। यह आर्थिक असमानता सामाजिक भेदभाव को और बढ़ाती है। एक समस्या यह भी है कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ होने वाले अपराधों में अक्सर अपराधियों को सजा नहीं मिलती है, जिससे उन्हें अन्याय का सामना करना पड़ता है और भेदभाव जारी ही रहता है। न्याय प्रणाली में सुधारों की कमी से अल्पसंख्यकों का भरोसा कम होता है। अगर आप पाकिस्तान के इतिहास को देखें तो पायेंगे कि पाकिस्तान की स्थापना के समय से ही अल्पसंख्यकों के साथ लगातार अत्याचार और भेदभाव होता रहा है। यह सांस्कृतिक और ऐतिहासिक कारक आज भी भेदभाव को बढ़ावा देते हैं। पाकिस्तान में हिन्दुओं को भी नफरत की निगाह से देखने वाले भी कम नहीं हैं। हालांकि लगभग सारे पाकिस्तानियों के पुरखे हिन्दू ही तो थे। पाकिस्तान का इतिहास हिन्दुओं के खिलाफ नाइंसाफी और खून से लथपथ है। हालांकि 11 अगस्त,1947 को मोहम्मद अली जिन्ना ने एक भाषण में यह कहा था कि पाकिस्तान में सभी धर्मों के मानने वालों को अपने धार्मिक स्थानों में जाने की अनुमति होगी। यानी पाकिस्तान के विश्व मानचित्र में आने से सिर्फ तीन दिन पहले। उन्होंने अपनी कैबिनेट में जोगिन्दर नाथ मंडल नाम के एक हिन्दू को शामिल भी किया था। वे पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से थे।मंडल को जिन्ना ने अपनी कैबिनेट में विधि मंत्री की जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा था कि इस्लामिक पाकिस्तान में सबके हक सुरक्षित हैं। पर हुआ इसके ठीक विपरीत। मंडल पाकिस्तान के पहले और शायद आखिरी हिन्दू मंत्री बने। वे वहां पर अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के नेता थे। मंडल अपने को बाबा साहेब अंबेडकर के विचारों से बहुत प्रभावित बताते थे। वे दलित समुदाय से आते थे। वे 1946 में पंडित नेहरू के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार में भी विधि मंत्री थे। जिन्ना की 11 सितंबर, 1948 को मौत के साथ ही मंडल की वहां पर दुर्गति चालू हो गई थी। उनकी हर सलाह को नामंजूर कर दिया जाता। नतीजा यह हुआ कि वे पाकिस्तान को छोड़कर भारत आ गए। ये 1951 के आसपास की बातें हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि पाकिस्तान में हिन्दुओं के साथ नाइंसाफी होती है। इसलिए उनका पाकिस्तान में रहना मुमकिन नहीं होगा। मंडल उसके बाद कोलकत्ता आ गए। उनका 1968 में निधन हो गया। मंडल ने जो कहा था, वह अक्षरशः सही निकला। पाकिस्तान में हिन्दुओं के साथ कभी न्याय नहीं हुआ। इसी का नतीजा था कि जिन्ना का करीबी एक दलित हिन्दू मंत्री तक पाकिस्तान में नहीं रह सका। कुल मिलाकर बात यह है कि पाकिस्तान में अभी तो सिर्फ सुन्नी ही सुरक्षित हैं।आगे क्या होगा शायद खुदा को ख़ुद भी पता न हो। आगे - आगे देखिये होता है क्या?

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

चुनाव आयोग ने दिया जवाब

महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में हार की खीझ ईवीएम पर उतारने वाली कांग्रेस का रोना-धोना बंद होने का नाम नहीं ले रहा है। अब वह यह शिकायत लेकर सामने आ गई है कि महाराष्ट्र में अंतिम क्षणों में मतदान प्रतिशत में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई और कई लोगों के नाम मतदाता सूचियों से हटा दिए गए। चुनाव आयोग ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कांग्रेस नेताओं को उनके हर सवाल का जवाब देने के लिए निमंत्रित किया है। देखना है कि वे चुनाव आयोग के अधिकारियों से भेंट करने जाते हैं या नहीं और यदि जाते हैं तो उनके तर्कों से संतुष्ट होते हैं या नहीं?

कांग्रेस किस तरह अपना उपहास उड़वा रही है इसका पता इससे चलता है कि खुद उसका आंतरिक सर्वे यह कह रहा था कि महाराष्ट्र में लोकसभा चुनावों के मुकाबले विधानसभा चुनावों में उसकी स्थिति कमजोर हो सकती है। आखिर इसके बाद ईवीएम को कोसने का क्या मतलब? क्या इसलिए कि अपने कार्यकर्ताओं को गुमराह किया जा सके और समीक्षा के नाम पर चुनाव आयोग पर तोहमत मढ़ी जा सके? महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में हार की खीझ ईवीएम पर उतारने वाली कांग्रेस का रोना-धोना बंद होने का नाम नहीं ले रहा है। अब वह यह शिकायत लेकर सामने आ गई है कि महाराष्ट्र में अंतिम क्षणों में मतदान प्रतिशत में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई और कई लोगों के नाम मतदाता सूचियों से हटा दिए गए। चुनाव आयोग ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कांग्रेस नेताओं को उनके हर सवाल का जवाब देने के लिए निमंत्रित किया है। देखना है कि वे चुनाव आयोग के अधिकारियों से भेंट करने जाते हैं या नहीं और यदि जाते हैं तो उनके तर्कों से संतुष्ट होते हैं या नहीं? कांग्रेस को महाराष्ट्र की चुनाव प्रक्रिया में तो खामी दिख रही है, लेकिन झारखंड में उसे सब कुछ सही लग रहा है। वह जैसा रुदन महाराष्ट्र के नतीजों को लेकर कर रही है, वैसा ही उसने हरियाणा के चुनाव नतीजों के बाद भी किया था। तब यह कहा गया था कि इस्तेमाल के बाद भी ईवीएम की बैटरी 99 प्रतिशत क्यों दिख रही थी? चुनाव आयोग ने इसका जवाब दिया, लेकिन कांग्रेस को यह समझ नहीं आया, क्योंकि उसे कुछ समझना ही नहीं था। इस बार भी वह कुछ न समझे तो हैरानी नहीं। क्या यह हास्यास्पद नहीं कि एक ओर कांग्रेस के नेता महाराष्ट्र की हार के कारणों की समीक्षा कर रहे हैं और दूसरी ओर ईवीएम को दोष भी दे रहे हैं? यदि दोष कथित तौर पर ईवीएम का है तो समीक्षा किस बात की और यदि कांग्रेस अपनी कमजोरियों से हारी तो फिर ईवीएम को कोसने का क्या अर्थ? कांग्रेस किस तरह अपना उपहास उड़वा रही है, इसका पता इससे चलता है कि खुद उसका आंतरिक सर्वे यह कह रहा था कि महाराष्ट्र में लोकसभा चुनावों के मुकाबले विधानसभा चुनावों में उसकी स्थिति कमजोर हो सकती है। आखिर इसके बाद ईवीएम को कोसने का क्या मतलब? क्या इसलिए कि अपने कार्यकर्ताओं को गुमराह किया जा सके और समीक्षा के नाम पर चुनाव आयोग पर तोहमत मढ़ी जा सके?

राहुल गांधी ईवीएम के विरुद्ध मोर्चा खोलने के साथ उसके खिलाफ यात्रा करने की भी तैयारी कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस यात्रा में वह ईवीएम के स्थान पर मतपत्र से चुनाव कराने पर जोर देंगे। यदि वह ऐसा करते हैं तो कांग्रेस के छोटे-बड़े नेता और यहां तक कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे न चाहते हुए भी उनकी हां में हां मिलाने को मजबूर होंगे। इसका दुष्परिणाम यही होगा कि औसत कांग्रेस कार्यकर्ता यह मानकर चलने लगेंगे कि हरियाणा और महाराष्ट्र में पार्टी अपनी कमजोरियों के बजाय ईवीएम के कारण हारी। यह स्वाभाविक है कि इस स्थिति में कांग्रेस आगे भी चुनावों में नाकामी का सामना करेगी। इसके लिए यदि कोई सबसे अधिक जिम्मेदार होगा तो वह होंगे राहुल गांधी, जो अपनी गलतियों का दोष दूसरों पर मढ़ने में माहिर हो चुके हैं।

संभल न पहला है और न ही आखिरी

संभल प्रशासन का दावा है कि पीड़ितों की मौत पुलिस की गोलियों से नहीं हुई। लेकिन यह दावा सवालों के घेरे में है क्योंकि सर्किल अधिकारी ने उत्तेजित मुसलमानों पर गोली चलाने की बात स्वीकार की है। सबसे पहले तो आरोप नागरिक और पुलिस प्रशासन पर आता है जिन्होंने भड़काऊ नारे लगाती भीड़ को शाही मस्जिद तक जाने दिया। उनके रुख ने पहले से ही तनावपूर्ण हालात को और गंभीर बना दिया; लोगों के गुस्से को शांत करने के बजाय उन्होंने आग में घी डाल दिया। मस्जिद 'सर्वेक्षण' के फैसले की भी समीक्षा होनी चाहिए। स्थानीय सिविल न्यायाधीश ने मस्जिद समिति का पक्ष जाने बिना सर्वेक्षण का आदेश दे दिया जो निर्धारित प्रक्रिया का स्पष्ट उल्लंघन है।

संभल में हाल ही में पांच मुसलमानों की हत्या के कारण व्यापक आक्रोश है। इसके लिए कौन जिम्मेदार है, इस बात को लेकर कई तरफ उंगलियां उठ रही हैं। एक वर्ग ऐसा भी है जो इसके लिए कुछ ही दिन पहले रिटायर हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को जिम्मेदार ठहराता है। माननीय चंद्रचूड़ की भूमिका महत्वपूर्ण है, लेकिन सबसे पहले उनकी बात करते हैं जो सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं- आज की सत्ता में बैठे लोग और वे संस्थाएं जिनका काम कानून का राज बनाए रखने, सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सभी नागरिकों के जीवन की रक्षा करने का है। संभल प्रशासन का दावा है कि पीड़ितों की मौत पुलिस की गोलियों से नहीं हुई। लेकिन यह दावा सवालों के घेरे में है क्योंकि सर्किल अधिकारी ने उत्तेजित मुसलमानों पर गोली चलाने की बात स्वीकार की है। सबसे पहले तो आरोप नागरिक और पुलिस प्रशासन पर आता है जिन्होंने भड़काऊ नारे लगाती भीड़ को शाही मस्जिद तक जाने दिया। उनके रुख ने पहले से ही तनावपूर्ण हालात को और गंभीर बना दिया; लोगों के गुस्से को शांत करने के बजाय उन्होंने आग में घी डाल दिया। मस्जिद 'सर्वेक्षण' के फैसले की भी समीक्षा होनी चाहिए। स्थानीय सिविल न्यायाधीश ने मस्जिद समिति का पक्ष जाने बिना सर्वेक्षण का आदेश दे दिया जो निर्धारित प्रक्रिया का स्पष्ट उल्लंघन है। जिस जल्दबाजी में अदालती कार्यवाही हुई, उससे वकील और न्यायविद भी हैरान रह गए। सर्वेक्षण सिर्फ सात दिनों में पूरा होना था और आदेश जारी होने के चंद घंटों के भीतर ही वरिष्ठ अधिकारियों ने दल-बल के साथ काम शुरू भी कर दिया! ऐसे मामलों में इस तरह की तत्परता नहीं देखी जाती और इससे ऐसा लगता है कि यह लोगों को भड़काने का एक समन्वित प्रयास था। इसके बाद 24 नवंबर को सर्वेक्षण का काम जिस तरह आगे बढ़ाया गया, वह तो और भी ज्यादा परेशान करने वाला है। सर्वेक्षक के साथ लोगों की भीड़ भी थी। (यह कोई हैरानी की बात नहीं है क्योंकि एक दिन पहले ही राज्य में हुए उपचुनाव के नतीजे आए थे।) वीडियो सबूतों से पता चलता है कि पुलिस अधिकारी भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश करने के बजाय उनकी मदद ही कर रहे थे। जाहिर है, यह प्रशासनिक कार्रवाई निष्पक्ष नहीं बल्कि मस्जिद पर राज्य समर्थित आक्रमण जैसी थी। बड़ा सवाल यह भी है कि सर्वेक्षण की मांग करने वाले याचिकाकर्ता को सर्वेक्षण दल के साथ जाने की अनुमति क्यों दी गई? साफ है कि अदालत की रुचि निर्धारित प्रक्रिया के पालन में नहीं थी और उसने बेहद पक्षपातपूर्ण तरीके से काम किया। यह भी उतना ही स्पष्ट है कि प्रशासन ने तनाव को बढ़ाने में भूमिका निभाई। उसने स्थानीय लोगों को भरोसे में लेने का कोई प्रयास नहीं किया और फिर जब उन्होंने विरोध शुरु किया तो उन्हें चुप कराने के लिए पूरी ताकत का इस्तेमाल किया। जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक और सर्किल अधिकारी के बयान कोई दिलासा नहीं दिलाते। उनमें से किसी ने भी जानमाल के नुकसान पर खेद नहीं जताया। पीड़ितों के लिए उनकी भाषा ऐसी थी जैसे वे इंसान ही न हों और अधिकारियों ने उन्हें सुरक्षा के हकदार नागरिक के बजाय दुश्मन माना। निःसंदेह पहली जिम्मेदारी जमीनी स्तर के प्रशासनिक अमले की बनती है लेकिन संभल के पीड़ितों के खून ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की विरासत को भी दागदार कर दिया है। उनके कार्यों ने ऐसा कानूनी माहौल बनाया जिसने संभल को संभव बनाया यह चंद्रचूड़ ही थे जिन्होंने तथाकथित 'उत्सुकता के न्यायशास्त्र' को वैध बनाया जिससे देश भर में मस्जिदों के सर्वेक्षणों का रास्ता खुल गया। वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद का मामला इसका एक प्रमुख उदाहरण है। हिन्दुओं ने दावा किया था कि उन्हें यह साबित करने के लिए कि वह एक मंदिर था, 'मस्जिद की शैली की जांच' करने की जरूरत है। बावजूद इसके कि पूजा स्थल अधिनियम 1991 जो स्पष्ट रूप से धार्मिक स्थलों के 15 अगस्त 1947 की स्थिति को बदलने पर रोक लगाता है, चंद्रचूड़ ने ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वेक्षण की इजाजत दे दी। पूजा स्थल अधिनियम खास तौर पर ऐसे ही सांप्रदायिक संघर्ष को रोकने के लिए बनाया गया था। बीजेपी के राम जन्मभूमि अभियान से अवगत कानून निर्माता यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि किसी भी धार्मिक स्थल को विवाद का विषय न बनाया जाए।

36 साल के शाह सबसे युवा चीफ, बोले- महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए काम करेंगे

जय शाह ICC के 16वें चेयरमैन हैं। उन्हें 27 अगस्त को चुना गया था। उनका कार्यकाल 1 दिसंबर से शुरू हुआ है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के सचिव जय शाह ने इंटरनेशनल क्रिकेट कार्उंसिल यानी ICC का चेयरमैन पद संभाल लिया है। न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले की जगह लेने वाले 36 साल के जय शाह ICC के सबसे कम उम्र के चेयरमैन बन गए हैं।

ICC ने सोशल मीडिया पोस्ट में इस बात की जानकारी दी। संस्था ने रविवार को लिखा- ICC चेयरमैन के तौर पर जय शाह का कार्यकाल शुरू होने के साथ ग्लोबल क्रिकेट का नया चैप्टर शुरू हुआ है। पद संभालने के बाद शाह ने अपने पहले बयान में कहा कि क्रिकेट के अलग-अलग फॉर्मेट्स को बढ़ावा मिले और महिला क्रिकेट में और तेजी लाना हमारी प्राथमिकता है।

शाह बोले- क्रिकेट को ज्यादा आकर्षक बनाने के लिए काम करेंगे

शाह ने कहा, "ICC अध्यक्ष की भूमिका के लिए चुने जाने पर डायरेक्टर्स और मेंबर बोर्ड्स के समर्थन और भरोसे के लिए आभारी हूं। ग्लोबल क्रिकेट में अपार संभावनाएं हैं और मैं हर मौके पर खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए ICC टीम और सदस्य देशों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।

जय शाह निर्विरोध ICC चेयरमैन चुने गए थे

ICC के चेयरमैन ग्रेग बार्कले का कार्यकाल 30 नवंबर को खत्म हुआ था। वे 2020 से इस पद पर थे। ICC ने 20 अगस्त को बताया था कि बार्कले तीसरा कार्यकाल नहीं लेंगे। इसके बाद नए चेयरमैन के लिए आवेदन मांगे गए। नॉमिनेशन फाइल करने की आखिरी तारीख मंगलवार, 27 अगस्त तक जय के अलावा पद के लिए किसी और ने नॉमिनेशन नहीं भरा था। ऐसे में चुनाव नहीं हुआ और वे निर्विरोध चुन लिए गए।

ICC के 16 चेयरमैन में जय शाह सबसे युवा

जय शाह इसी साल 22 सितंबर को 36 साल के हुए हैं। वे ICC के सबसे युवा चेयरमैन हैं। उनसे पहले बने सभी 15 चेयरमैन की उम्र 55 साल से ज्यादा रही है। 2006 में साउथ अफ्रीका के पर्सी सोन 56 साल की उम्र में सबसे युवा प्रेसिडेंट बने थे। जय शाह उनसे भी 20 साल छोटे हैं।

अहमदाबाद क्रिकेट बोर्ड से शुरुआत, 15 साल से सक्रिय

जय शाह ने 2009 में अहमदाबाद के केंद्रीय क्रिकेट बोर्ड के कार्यकारी बोर्ड के सदस्य बने थे। सितंबर 2013 में वे गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन (GCA) के संयुक्त सचिव बने। 2015 में BCCI की वित्त समिति के सदस्य बने। 2019 में पहली बार BCCI के सेक्रेटरी बने। उसके बाद 2022 में दोबारा ICC के सेक्रेटरी चुने गए।

शाह 2021 में एशियन क्रिकेट कार्उंसिल (ACC) के प्रेसिडेंट बने। जनवरी 2024 में उन्हें दोबारा ACC प्रेसिडेंट चुना गया। 2022 में वह इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के फाइनेंस एंड कॉर्मशियल अफेयर्स कमेटी के चेयरमैन नियुक्त किए गए। उन्हें ओलिंपिक गेम्स के लिए ICC ओलिंपिक वर्किंग ग्रुप का मेंबर भी बनाया गया।

चेयरमैन चुने जाने पर कहा था- क्रिकेट को ग्लोबल पहचान दिलाएंगे

जय शाह को 27 अगस्त को ICC चीफ चुना गया था। तब उन्होंने कहा था, ÷मुझे ICC का चेयरमैन चुनने के लिए सभी का धन्यवाद। मैं क्रिकेट को ग्लोबली बढ़ाने के लिए काम करता रहूंगा। फिलहाल क्रिकेट के मल्टिपल फॉर्मेट को बढ़ावा देना जरूरी है। मैं खेल में नई टेक्नोलॉजी लाने की कोशिश करूंगा, साथ ही वर्ल्ड कप जैसे इवेंट्स को ग्लोबल मार्केट तक भी पहुंचाऊंगा।÷

शाह ने कहा था, ÷क्रिकेट का ओलिंपिक 2028 में शामिल होना बड़ी उपलब्धि है। इसे हम ओलिंपिक के जरिए ग्लोबल पहचान दिलाएंगे और ज्यादा देशों तक पहुंचाने की कोशिश करेंगे।÷

शरद पवार समेत 4 भारतीय ICC के चेयरमैन रह चुके

जय शाह ICC चीफ का पद संभालने वाले 5वें भारतीय हैं। उनसे पहले जगमोहन डालमिया, शरद पवार, एन श्रीनिवासन और शशांक मनोहर ICC प्रमुख रह चुके हैं। ICC चीफ को 2015 से पहले तक प्रेसिडेंट कहा जाता था। इसके बाद से इसे चेयरमैन कहा जाने लगा।

पिछले चेयरमैन ग्रेग बार्कले न्यूजीलैंड के क्रिकेट एडमिनिस्ट्रेटर थे

ICC के 15वें अध्यक्ष का कार्यकाल 30 नवंबर 2024 को खत्म हुआ है। वे 2016 से 2020 तक न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष रहे थे। उस दौरान कीवी टीम वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल तक पहुंची थी। हालांकि फाइनल में इंग्लैंड ने सुपर ओवर में उसे हराया था।

पीवी सिंधु के अर्जुन अवॉर्डी पिता का इंटरव्यू

पीवी सिंधु ने विश्व स्तर पर कई मेडल जीते। उतना अभी तक किसी खिलाड़ी ने नहीं जीता। इतना खेलने के बाद भी बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (BAI) सिंधु को किसी सुझाव के लिए नहीं पूछती है। वह मेरी बेटी है, इसलिए नहीं कह रहा। वह बड़ी खिलाड़ी है।उसे खेल और खिलाड़ियों की समस्याओं के बारे में पता है। ऐसे में पीवी सिंधु सहित बड़े खिलाड़ियों से सलाह लेकर खेल को आगे बढ़ाना होगा। खिलाड़ियों को तराशकर सिंधु, लक्ष्य सेन और साइना नेहवाल जैसा बनाने के लिए पूरे सिस्टम में सुधार की जरूरत है।ये कहना है पीवी सिंधु के पिता पीवी रमन्ना का। दो बार की ओलिंपिक पदक विजेता और वर्ल्ड चैम्पियनशिप की गोल्ड मेडलिस्ट सिंधु लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल चैंपियनशिप खेल रही हैं। उनके साथ पिता पीवी रमन्ना भी लखनऊ में हैं।

पीवी रमन्ना से खास बातचीत की। पीवी रमन्ना ने भारत में बैडमिंटन की वर्तमान स्थिति, खिलाड़ियों के संघर्ष, खेल पर हावी प्राइवेट एकेडमी और खिलाड़ी तैयार करने के बजाए पैसा बनाने और सेल्फिश नेचर अपना चुके कोचों पर खुलकर बात की।

रोहित शर्मा ने बेटे का नाम अहान रखा, पत्नी रितीका ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर की

रोहित शर्मा ने अपने बेटे का नाम अहान रखा है। रविवार को उनकी पत्नी रितीका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर करते हुए बेटे का नाम अहान शर्मा रखने की जानकारी दी।

रितीका ने क्रिसमस की थीम को लेकर अपनी एक फैमिली तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में रोहित शर्मा को रो, रितीका को रित्स, बेटी का नाम सैमी और बेटे का नाम अहान दिखाया गया। इसी के साथ ही रितिका ने क्रिसमस का हैशटैग भी लगाया है।

रोहित की पत्नी ने 15 नवंबर को बेटे को जन्म दिया

भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान रोहित की वाइफ रितीका ने बेटे को 15 नवंबर को जन्म दिया था। रोहित और रितिका की एक बेटी भी है, जिसका नाम समायरा है। समायरा का जन्म 30 दिसंबर, 2018 में हुआ था। वहीं 2015 में रोहित और रितिका की शादी हुई थी।

अहान संस्कृत से लिया गया है

अहान नाम संस्कृत के एक शब्द %अहा% से लिया गया है। इसका मतलब होता है, %जागृत करना%। अहान नाम का अर्थ- भोर, सूर्योदय, प्रकाश की पहली किरण, सुबह की महिमा आदि है।

प्रैक्टिस मैच में ऑस्ट्रेलिया एकादश के खिलाफ खेल रहे हैं रोहित

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में रोहित शर्मा एक बार फिर टीम में वापसी करेंगे। रोहित पर्थ टेस्ट मैच नहीं खेले थे। रोहित रविवार को ऑस्ट्रेलिया एकादश के खिलाफ 46-46 ओवर के खेले जा रहे प्रैक्टिस मैच में कप्तानी कर रहे हैं।

रोहित शर्मा नहीं खेल पाए थे पर्थ टेस्ट

रोहित शर्मा अहान के जन्म की वजह से ऑस्ट्रेलिया में चल रही बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट का हिस्सा नहीं बन पाए थे। उनकी गैरमौजूदगी में जसप्रीत बुमराह ने पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में भारत की कप्तानी की थी। टीम इंडिया ने पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से हराया था। यह भारत की ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में सबसे बड़ी जीत थी। भारत 5 टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे है।

गिल ने फिफ्टी लगाई, हर्षित को 4 विकेट; सैम कोंसटास ने 107 रन बनाए

प्रैक्टिस मैच-भारत ने ऑस्ट्रेलिया P M-11 को 6 विकेट से हराया

प्रैक्टिस मैच में भारत ने ऑस्ट्रेलिया क्रू11 को 6 विकेट से हरा दिया। हालांकि मैच खत्म होने के बाद भी भारतीय टीम ने अपने पूरे (46) ओवर खेले। दो दिन तक चलने वाला यह पिंक बॉल मैच पहले दिन शनिवार को बारिश की वजह से शुरू नहीं हो सका था। जिसके बाद रविवार को दोनों टीमों ने 46-46 ओवर का मुकाबला खेला।

कैनबरा में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रधानमंत्री इलेवन 43.2 ओवर में 240 रन पर ऑलआउट हो गई। सैम कोंसटास ने 107 रन की पारी खेली। भारत के लिए हर्षित राणा ने 4 विकेट लिए।

जवाब में भारतीय टीम ने 42.5 ओवर में 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। अंगूठे की चोट से वापसी कर रहे शुभमन गिल ने सबसे ज्यादा 50 रन बनाए। क्रू11 की तरफ से चार्ली एंडरसन ने 2 विकेट लिए।

सैम कोंसटास ने शतक लगाया

ओपनर सैम कोंसटास ने ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा 107 रन बनाए। क्रू11 ने एक समय 22 रन पर 2 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद जैक क्लेटन और कोंसटास ने तीसरे विकेट के लिए 109 रन जोड़े। क्लेटन ने 52 बॉल पर 40 रन की पारी खेली।सैम कोंसटास ने 90 गेंदों पर सेंचुरी लगाई। उन्होंने 35वें ओवर की आखिरी गेंद पर एक रन लेकर अपना शतक पूरा किया। पारी में उन्होंने 14 चौके और 1 सिक्स लगाया। आकाश दीप ने 38वें ओवर की आखिरी गेंद पर सैनी के हाथों कैच आउट करा कर कोंसटास को पवेलियन भेजा।

हर्षित राणा ने 4 विकेट लिए

हर्षित राणा ने इस मुकाबले में चार विकेट लिए। उन्होंने 6 ओवर की गेंदबाजी में 44 रन दिए। 23वें ओवर में उन्होंने 2 विकेट लिए। हर्षित ने चौथी गेंद पर सेट बल्लेबाज जैक क्लेटन को बोल्ड किया। इसके बाद इसी ओवर की आखिरी गेंद पर ओलिवर डेविस को शून्य के स्कोर पर हर्षित ने आउट किया।हर्षित ने 25वें ओवर की पहली गेंद पर कप्तान जैक एडवर्ड्स को प्रसिद्ध कृष्णा के हाथों कैच कराया। एडवर्ड्स ने 6 गेंदों का सामना करके 1 रन बनाए। इसके बाद सैम हार्पर को शून्य के स्कोर पर आउट किया।

व्यापार

गौतम अडाणी बोले-साहसिक सपने देखने पर दुनिया परीक्षा लेती है

चुनौतियां हमें कभी तोड़ नहीं पाई, बल्कि उन्होंने और मजबूत बनाया

गौतम अडाणी शनिवार शाम को जयपुर में 51वें इंडिया जेम्स एंड ज्वेलरी अवॉर्ड (IGJ) समारोह में बोल रहे थे।

अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने हिंडनबर्ग विवाद और अमेरिका में लगे रिश्वत देने के आरोपों पर पहली बार सार्वजनिक बयान दिया। उन्होंने कहा, %अडाणी ग्रुप के रास्ते में आई हर बाधा उसकी सफलता की सीढ़ी बनी है। आपके सपने जितने बड़े होंगे, दुनिया उतनी ज्यादा आपकी परीक्षा लेती है।उन्होंने कहा कि चुनौतियां हमें कभी तोड़ नहीं पाई, बल्कि उन्होंने हमें और मजबूत बनाया। हमारे अंदर ये भरोसा बढ़ाया कि हर गिरावट के बाद हम और मजबूत तरीके से ऊपर उठेंगे। गौतम अडाणी शनिवार शाम को जयपुर में 51वें इंडिया जेम्स एंड ज्वेलरी अवॉर्ड (IGJ) समारोह में बोल रहे थे।

अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने कहा- विपरीत हालातों में भी हमने हमारे सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता दिखाई।

3 उदाहरण देकर अडाणी ने कहा- हमें राजनीतिक विवाद में फंसाया

1. भारी विरोध के बावजूद ऑस्ट्रेलिया में हमारे पास वर्ल्ड क्लास माइन

साल 2010 में जब हमने ऑस्ट्रेलिया में कोल माइनिंग शुरू की थी, तो हमारा उद्देश्य था कि हमें भारत को एनर्जी सेक्टर में और मजबूत करना है। हमारा उद्देश्य था कि भारत में होने वाले 2 टन खराब कोयले को ऑस्ट्रेलिया से 1 टन अच्छी क्वालिटी के कोयले से रिप्लेस करेंगे। हालांकि गैर सरकारी संगठनों ने इसका बहुत ज्यादा विरोध किया और ये 10 साल तक चला। ये विरोध इतना ज्यादा था कि 10 बिलियन डॉलर के पूरे प्रोजेक्ट की फंडिंग हमने अपने इक्विटी शेयर से की। आज हमारे पास ऑस्ट्रेलिया में वर्ल्ड क्लास कोल माइन है। यह हमारे लचीलेपन को दिखाता है।

2. हमारी आर्थिक स्थिरता को टारगेट कर राजनीतिक विवाद में फंसाया

जनवरी 2023 में जब हम फॉलोऑन पब्लिक ऑफर(FPO) लॉन्च करने जा रहे थे, तो हमने विदेश से कंपनी के खिलाफ शॉर्ट सेलिंग(शेयर बाजार में कंपनी के शेयर की बिकवाली) अटैक का सामना किया। ये सिर्फ आर्थिक हमला नहीं था, ये डबल अटैक था। हमारी आर्थिक स्थिरता को तो टारगेट किया ही, हमें राजनीतिक विवाद में भी फंसाया गया। कई मीडिया संस्थानों ने इसे अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए और बढ़ाया।

एक हफ्ते में LIC का मार्केट कैप ?60,656 करोड़ बढ़ा

इंफोसिस की वैल्यू 18,477 करोड़ रुपए घटी; पिछले हफ्ते 685 अंक चढ़ा सेंसेक्स

मुंबई ● एजेंसी

पिछले हफ्ते टॉप 10 सबसे वैल्यूएबल कंपनियों में से नौ का कम्बाइंड मार्केट वैल्यूएशन 2,29,589.86 करोड़ रुपए बढ़ गया। इस दौरान भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) टॉप गेनर रही।

LIC का वैल्यूएशन 60,656.72 करोड़ रुपए से बढ़कर 6,23,202.02 करोड़ रुपए हो गया। वहीं HDFC बैंक का वैल्यूएशन 39,513.97 करोड़ रुपए बढ़ा, जिससे उसका मार्केट कैप 13,73,932.11 करोड़ रुपए हो गया। हालांकि, इंफोसिस का एमकैप 18,477.5 करोड़ रुपए घट गया।

पिछले हफ्ते 685 अंक चढ़ा सेंसेक्स

बीते कारोबारी हफ्ते (25 से 29 नवंबर) के बीच सेंसेक्स 685 अंक चढ़ा। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन 29 नवंबर को सेंसेक्स 759 अंक (0.96%) की तेजी के साथ 79,802 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 216 अंक (0.91%) की तेजी रही, ये 24,131 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 26 में तेजी और 4 में गिरावट रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 43 में तेजी और 7 में गिरावट रही। NSE रियल्टी और PSU को छोड़कर सभी तेजी के साथ बंद हुए।

मार्केट कैपिटलाइजेशन क्या होता है?

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर, जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, की वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की टोटल नंबर को स्टॉक की प्राइस से गुणा करके किया जाता है।

मार्केट कैप का इस्तेमाल कंपनियों के शेयरों को कैटेगराइज करने के लिए किया जाता है, ताकि निवेशकों को उनके रिस्क प्रोफाइल के अनुसार उन्हें चुनने में मदद मिले। जैसे लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियां।

मार्केट कैप = (आउटस्टैंडिंग शेयरों की संख्या) × (शेयरों की कीमत)

किसी कंपनी के शेयर में मुनाफा मिलेगा या नहीं इसका अनुमान कई फैक्टर्स को देख कर लगाया जाता है। इनमें से एक फैक्टर मार्केट कैप भी होता है। निवेशक मार्केट कैप को देखकर पता लगा सकते हैं कि कंपनी कितनी बड़ी है।कंपनी का मार्केट कैप जितना ज्यादा होता है, उसे उतनी ही अच्छी कंपनी माना जाता है। डिमांड और सप्लाई के अनुसार स्टॉक की कीमतें बढ़ती और घटती है। इसलिए मार्केट कैप उस कंपनी की पब्लिक पर्सीवड वैल्यू होती है।

मार्केट कैप कैसे घटता-बढ़ता है?

मार्केट कैप के फॉर्मूले से साफ है कि कंपनी की जारी शेयरों की कुल संख्या को स्टॉक की कीमत से गुणा करके इसे निकाला जाता है। यानी अगर शेयर का भाव बढ़ेगा तो मार्केट कैप भी बढ़ेगा और शेयर का भाव घटेगा तो मार्केट कैप भी घटेगा।

पुराने कार इंश्योरेंस का नो-क्लेम-बोनस नई कार में ट्रांसफर करें

नई कार के बीमा में 50त्न तक कर सकते हैं बचत, यहां समझें पूरा गणित

अपनी पुरानी गाड़ी के नो क्लेम बोनस (एनसीबी) को ट्रांसफर करके नई गाड़ी के इंश्योरेंस पर काफी पैसे बचाए जा सकते हैं। पॉलिसीधारक को नो क्लेम बोनस तब मिलता है, जब उसने पिछले साल किसी भी प्रकार का क्लेम नहीं लिया हो। यह डिस्काउंट ओन डैमेज (ओडी) प्रीमियम पर दिया जाता है।

ग्राहक अधिकतम कितना एनसीबी प्राप्त कर सकते हैं?

शुरुआत में आपके ओन डैमेज इंश्योरेंस पर एनसीबी 0त्न होता है। अगर आप कोई क्लेम फाइल नहीं करते हैं तो एनसीबी हर साल बढ़ता जाता है। यह 20-50 फीसदी के बीच तक हो सकता है। पहले साल क्लेम फाइल न करने पर 20 फीसदी एनसीबी प्राप्त होता है। दूसरे साल यह बढ़कर 25 फीसदी, तीसरे साल 35 फीसदी, चौथे साल 45 फीसदी और पांचवें साल 50 फीसदी तक हो जाता है।

एनसीबी को नई इंश्योरेंस पॉलिसी में ट्रांसफर करें

नो क्लेम बोनस केवल वाहन से जुड़े नहीं होते, बल्कि ये पॉलिसीधारक के साथ जुड़े होते हैं। इसका मतलब ये है कि आप अपने पुराने वाहन के एनसीबी को किसी भी नए वाहन पर ट्रांसफर कर सकते हैं, चाहे वह किसी भी ब्रांड का हो। हालांकि, ध्यान देने वाली बात यह है कि एनसीबी केवल समान प्रकार के वाहनों में यानी कार से कार और बाइक से बाइक में ही ट्रांसफर हो सकते हैं। गाड़ी का ओनर भी नहीं बदलना चाहिए।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 16.50 रुपए तक महंगा

1 दिसंबर 2024 से 19 किलो वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 16.50 रुपए तक महंगा हो गया है। दिल्ली में अब ये 1818.50 रुपए का मिलेगा। एक महीने पहले भी इसके दाम 62 रुपए बढ़ाकर 1802 रुपए कर दिए गए थे। वहीं फ्री आधार अपडेट की डेडलाइन इस महीने खत्म हो रही है। इसके अलावा मैसेज ट्रेसेबिलिटी नियम लागू किए जा रहे हैं। इसके तहत टेलीकॉम कंपनियां संदिग्ध नंबरों की पहचान करके उन्हें तुरंत ब्लॉक करेंगी, जिससे इन नंबरों से यूजर्स तक मैसेज नहीं पहुंच सकेगा। जेट फ्यूल 1,274 रुपए तक महंगा होने से हवाई सफर महंगा हो सकता है।

दिसंबर महीने में होने वाले 6 बदलाव...

1. कॉमर्शियल सिलेंडर महंगा = ?16.50 रुपए दाम बढ़े, घरेलू सिलेंडर की कीमतों में बदलाव नहींआज से 19 किलो वाला कॉमर्शियल सिलेंडर ?16.50 रुपए तक महंगा हो गया है। दिल्ली में इसकी कीमत 16.50 रुपए बढ़कर ?1818.50 हो गई। पहले ये ?1802 में मिल रहा था। कोलकाता में यह 15.5 रुपए बढ़कर ?1927 में मिल रहा है, पहले इसके दाम ?1911.50 थे।मुंबई में सिलेंडर 1754.50 रुपए से 16.50 रुपए बढ़कर 1771 रुपए का हो गया है। चेन्नई में सिलेंडर 1980.50 रुपए का मिल रहा है। हालांकि, 14.2 चत्न वाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में यह ?803 और मुंबई में ?802.50 का मिल रहा है।

बॉर्डर सिक्योरिटी को लेकर बीएसएफ के जवानों ने किया अद्भुत काम - गजेंद्र सिंह शेखावत

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जोधपुर दौरे के दौरान कई मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि भारत की सीमाएं सुरक्षित रहें, इसके लिए भारत में सीमा पर गश्त के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का गठन किया गया था। अटल जी के कार्यकाल के दौरान यह निर्णय हुआ था कि एक सेना को एक सीमा की रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, ÷बीएसएफ केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स के रूप में काम कर रही है। बॉर्डर

सिक्योरिटी को लेकर बीएसएफ के जवानों ने अद्भुत काम किया है। मुझे लगता है कि विश्व भर में बीएसएफ एकमात्र ऐसे सेंट्रल आर्म पुलिस फोर्स होगी, जिसके पास में जल थल और नभ तीनों पर काम करने की जिम्मेदारी भी है, क्षमता भी है और अनुभव भी है। 1971 की लड़ाई में सीमा सुरक्षा बल ने कारगिल की लड़ाई में जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों से लोहा लेते हुए अद्भुत पराक्रम का प्रदर्शन किया था। मैं सीमा सुरक्षा बल के सभी जवानों को और महानिदेशक को बधाई देता हूं। हमारा देश विकसित होने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। वहीं, धर्मांतरण के मामले में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जबरन कोई भी धर्मांतरण नहीं होना चाहिए। किसी का भी प्रलोभन के आधार पर और जबरन धर्मांतरण ना हो। राजस्थान सरकार कानून लेकर आ रही है, मैं इसका स्वागत करता हूं। महाराष्ट्र में सीएम के सवाल पर उन्होंने कहा कि थोड़ा इंतजार करें इंतजार का फल मीठा होता है। वही महाकुंभ को लेकर उन्होंने कहा कि धर्म और संस्कृति का संगम कुंभ मेला यूनेस्को की लिस्ट में शामिल है। कुंभ को लेकर यूपी सरकार के साथ मेरी कई बार हमारी बातचीत हुई है। इस तरह की अपेक्षा है कि लगभग 45 करोड़ लोग 45 दिन में आएंगे। तैयारियों के मद्देनजर भारत सरकार उत्तर प्रदेश सरकार के साथ निरंतर संपर्क में है। संस्कृति मंत्रालय अपनी योजना के अनुसार अपने कामों में जुटा हुआ है।

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रातानाडा गणेश मंदिर में किए दर्शन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। संसदीय कार्य,विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को रातानाडा गणेश मंदिर पहुँच कर दर्शन किए। उन्होंने भगवान गणेश जी की विधिवत पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए कामना की। साथ ही उन्होंने प्रदेश में आर्थिक उन्नति को समर्पित 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' के सफल आयोजन की कामना की। संसदीय कार्य मंत्री ने शिकारपुरा आश्रम में राजाराम महाराज के दर्शन कर विधिवत पूजा अर्चना की। इस अवसर राजाराम महाराज आश्रम के संत दयाराम महाराज ने संसदीय कार्य मंत्री को जन्मदिवस पर आशीर्वाद देकर शुभकामनाएं प्रेषित की। इस दौरान शिकारपुरा सरपंच ओमाराम पटेल, आश्रम के ट्रस्टी हेमाराम जरमल सहित जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

11 बाल श्रमिकों को करवाया मुक्त बाल कल्याण इकाई को किया सुपुर्द

जिला कलक्टर के निर्देश पर बालश्रम टास्कफोर्स की बड़ी कार्रवाई

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर जिला बालश्रम टास्क फोर्स ने रविवार को जयपुर के ट्रांसपोर्ट नगर में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। टास्क फोर्स ने ऑटोमोबाइल रिपेयर की 7 दुकानों पर छापा मार कर वहां काम कर रहे 11 बाल श्रमिकों को मुक्त करवाया। मुक्त करवाए गए सभी बाल श्रमिकों की आयु 11 से 15 वर्ष के बीच है। वरिष्ठ श्रम निरीक्षक अंकिता महर्षि ने बताया कि मुक्त करवाये गए बाल श्रमिकों को परामर्श एवं अस्थाई संरक्षण के लिए गांधी नगर स्थित बाल कल्याण समिति की टीम को सुपुर्द किया गया है। रेस्क्यू कार्रवाई के दौरान बचपन बचाओ आंदोलन एवं प्रयास संस्था के प्रतिनिधि, श्रम निरीक्षक राहुल सपलानिया एवं ट्रांसपोर्ट नगर थानाधिकारी राजेश बाफना मय पुलिस जाब्ता मौजूद रहे।

स्कूल से साइकिल से घर लौट रहे बालक को स्कूल बस ने मारी टक्कर

आगरा उपचार के लिए ले जाते समय हुई मौत

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। उपखंड के कंचनपुर थाना क्षेत्र के खेड़ली गांव में एक 13 वर्षीय बालक की स्कूल से घर लौटते समय सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद आगरा उपचार के लिए ले जाते समय मौत हुई है। घटना के बाद कंचनपुर पुलिस ने मृतक बालक के शव को शनिवार की देर रात बाड़ी अस्पताल की मोर्चरी रखवाया। जहां रविवार को परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया है। परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। कंचनपुर थाना क्षेत्र के खेड़ली गांव निवासी 13 वर्षीय बालक आशीष पुत्र सुरेंद्र सिंह परमार के ताऊ रामहेत सिंह परमेन बताया कि बालक आशीष खेड़ली गांव से करीब 2 किलोमीटर दूर स्थित बदरेठा गांव में स्थित निजी स्कूल मां पीतांबरा में पढ़ने जाता था। जो आठवीं क्लास का छात्र था। शनिवार की शाम 4 बजे जब स्कूल की छुट्टी हुई तो वह साइकिल से वापस लौट रहा था। इस दौरान गांव खेड़ली की से बदरेठा जा रही स्कूल बस ने उसे टक्कर मार दी। जैसे ही दुर्घटना की सूचना मिली परिजन घायल बालक को लेकर बाड़ी अस्पताल पहुंचे। जहां से धौलपुर जिला अस्पताल रेफर किया गया। धौलपुर जिला अस्पताल में भी करीब एक घंटे उपचार के बाद हालत बिगड़ने पर उसे हायर सेंटर रेफर किया गया। ऐसे में परिजन उसे लेकर आगरा निजी अस्पताल जा रहे थे लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। ऐसे में शनिवार रात 11 बजे कंचनपुर पुलिस को सूचना दी तो पुलिस ने शव को अस्पताल की मोर्चरी रखवाया। जहां आज पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई की है। घटना को लेकर परिजनों ने पुलिस में रिपोर्ट दी है। आशीष की दुर्घटना के बाद जब हालत बिगड़ने लगी तो परिजनों ने उसके पिता सुरेंद्र को फोन पर सूचना दी। जो सूरत में ऑटो चलाकर परिवार का पालन पोषण कर रहा है। जिसके बाद सुरेंद्र काम छोड़ बाड़ी रवाना हो गया।परिजनों ने बताया कि सुरेंद्र के दो लड़के हैं। जिनमें आशीष बड़ा था। पढ़ने में होशियार था लेकिन अचानक से सड़क दुर्घटना में मौत का शिकार हो गया। घटना के बाद से खेड़ली गांव में शोक छाया है।

इनका कहना है

कंचनपुर थाने के एएसआई होतम सिंह ने बताया कि शनिवार को निजी बस से एक्सीडेंट में 13 वर्षीय बालक आशीष पुत्र सुरेंद्र सिंह परमार की मौत हुई है। घटना को लेकर परिजनों की तहरीर पर मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया है।

गुप्त वृन्दावन धाम में हरिनाम संकीर्तन से हुई बांग्लादेशी हिन्दुओं की सुरक्षा की अपील

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जयपुर के गुप्त वृन्दावन धाम में रविवार सुबह पूरे शहर से हज़ारों भक्त एकजुट हुए और हरिनाम संकीर्तन के द्वारा बांग्लादेश में शान्ति और सद्भाव की अपील की। सैकड़ों भक्तों ने बांग्लादेश में सनातन धर्म के अनुयायियों की सुरक्षा और भलाई के लिए विशेष हरिनाम संकीर्तन और विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। यह यात्रा गुप्त वृन्दावन धाम के प्रांगण से शुरू होकर मंदिर के मुख्य द्वार, अक्षय पात्र सर्कल, कृष्ण बलराम मार्ग और हरे कृष्ण मार्ग से होते हुए वृंदावन गार्डन में समाप्त हुई।

पूरे मार्ग में भक्तों ने हरिनाम संकीर्तन किया और हिंदुओं की सुरक्षा के लिए नारे लगाए। गुप्त वृन्दावन धाम के उपाध्यक्ष अनंत शेष दास ने यात्रा के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया की इस यात्रा का उद्देश्य पूरे विश्व को हरिनाम संकीर्तन के माध्यम से शांति और सुरक्षा का संदेश देना था। इसके साथ ही हरिनाम संकीर्तन द्वारा बांग्लादेश और भारत सरकार से अपील की गई कि वे मिलकर शांति व्यवस्था स्थापित करें और बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के स्थायी सुरक्षा और सद्भाव की गारंटी दें। हे भगवान श्रीकृष्ण, कृपया बांग्लादेश के सभी सनातन धर्म के अनुयायियों और धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा करें। वहां स्थायी शांति और सद्भाव स्थापित हो।

नशा मुक्ति और बाल विवाह रोकना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी - रईस फारुकी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। राजकीय प्राथमिक विद्यालय संस्था प्रधान रईस फारूकी ने जिला कलेक्टर श्रीनिधि बी टी के निर्देशन में जयरा कुशवाह गांव के अंदर महिला पुरुष को भारत देश के संविधान दिवस की 75वीं वर्षगांठ की शपथ दिलाई। फारूकी ने भारतीय संविधान को लोकतंत्रात्मक भारत देश की आत्मा बताया इसके साथ-साथ बाल विवाह और नशा मुक्ति से होने वाले नुकसान के बारे में ग्रामीण जनों को समझाया की बाल विवाह व्यक्ति के विकास में किस प्रकार बाधक बन जाता है क्योंकि विवाह होने के बाद व्यक्ति की कई प्रकार की जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं जिस कारण वह आर्थिक बोझ से उभर नहीं पाता है और व्यक्ति का विकास रुक जाता है। रईस फारूकी ने नशे से होने वाले नुकसान के बारे में भी ग्रामीण जनों को बताया कि आज की युवा पीढ़ी नशे की आदि होती जा रही है भारत देश में कोचिंग हब माने जाने वाले कोटा और सीकर जैसे जिलों मैं भी कुछ असामाजिक तत्व नसे वाला पदार्थ बच्चों को दे रहे हैं और उन्हें नशे का आदी बना रहे हैं और बह पदार्थ छात्र शिक्षा में बाधक बन रहा है। इसका सेवन करने से आए दिन घर में पति-पत्नी में झगड़ा हुआ करता है जिस कारण घर माहौल नहीं बन पाता है और छात्र शिक्षा से वंचित रह जाता है। अतः समाज के सभी लोगों को मिलकर इसका समाधान करना होगा। ग्रामीण जनों में सोनू कुशवाह, रंजीत कुशवाह, राकेश कुशवाह, राम सिंह कुशवाह, नरेश ,राजू कुशवाह, बालकिशन कुशवाह, राजो देवी, हीरो देवी, कमलेश, लक्ष्मी देवी, रूपेश, रामादेवी, मंजू देवी, आदि उपस्थित रहे।

त्यागी समाज की मासिक बैठक आयोजित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। त्यागी समाज धौलपुर की मासिक बैठक का आयोजन त्यागी छात्रावास में किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष जगदीश प्रसाद त्यागी ने की, जिसका शुभारंभ महर्षि गालव की स्तुति और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस दौरान समाज के उत्थान और छात्रावास में निर्माण कार्य के लिए कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष बिजेंद्र सिंह त्यागी ने जिला कार्यकारिणी में जिला उपाध्यक्ष और युवा जिला अध्यक्ष के खाली पद को भरने का प्रस्ताव रखा। इस प्रस्ताव पर गहन विचार-विमर्श के उपरांत इस प्रस्ताव पर पूर्व अध्यक्ष रोहतन सिंह त्यागी, विकास त्यागी, देवेंद्र त्यागी सरपंच, और रूपसिंह त्यागी, पोहप सिंह त्यागी ने सहमति व्यक्त की। सर्वसम्मति से बैठक में उपस्थित सामाजिक बंधुओं और जिला कार्यकारिणी द्वारा डॉ शिवराज त्यागी को जिला उपाध्यक्ष एवं भारत भूषण त्यागी को युवा जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया। नई जिम्मेदारी मिलने पर भारत भूषण त्यागी को एक सप्ताह के भीतर अपनी कार्यकारिणी घोषित करने के निर्देश दिए गए। जिला अध्यक्ष जगदीश प्रसाद त्यागी ने कहा युवा शक्ति समाज की रीढ़ है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि श्री भारत भूषण त्यागी समाज को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का कार्य करेंगे और युवाओं को संगठित करेंगे। सरपंच देवेन्द्र त्यागी ने कहा समाज के युवा नेतृत्व को सक्रिय और सशक्त बनाना हमारा लक्ष्य है। भारत भूषण त्यागी का चयन समाज के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। पूर्व जिला अध्यक्ष रोहतन सिंह त्यागी ने कहा युवा जिला अध्यक्ष के रूप में भारत भूषण त्यागी का चयन समाज की एकता और उन्नति के लिए महत्वपूर्ण निर्णय है। हमें पूरी उम्मीद है कि वह अपनी जिम्मेदारी को कुशलता से निभाएंगे। नवमनोनीत युवा अध्यक्ष भारत भूषण त्यागी ने कहा कि जिस भरोसे ओर उम्मीद के साथ मुझे समाज की जिम्मेदारी दी गई है, पूर्ण निष्ठा के साथ समाज की उम्मीदों को पूरा करने का काम करूंगा। बैठक का समापन सामाजिक एकता और समाज के सर्वांगीण विकास के संकल्प के साथ किया गया। बैठक में छात्रावास प्रभारी सोबरन सिंह त्यागी, उपाध्यक्ष रुपसिंह त्यागी, पोप सिंह त्यागी,जिला महामंत्री विजय त्यागी, विनोद त्यागी, रनवीर त्यागी, बांके बिहारी त्यागी, राजकुमार त्यागी, गजेन्द्र त्यागी, भूदेव त्यागी, मुकेश त्यागी, रामदास त्यागी शिक्षाविद् रामजीलाल त्यागी, शिवराम त्यागी सहित समाज के प्रमुख बंधु मौजूद रहे।

चोरी के दो गैस सिलैण्डर बरामद, तीन गिरफ्तार

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

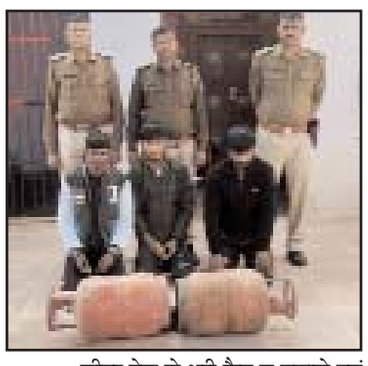

धौलपुर। महानिरीक्षक राहुल प्रकाश भरतपुर रेन्ज एवं जिला पुलिस अधीक्षक धौलपुर सुमित कुमार मेहरडा के निर्देशन में वांछित अपराधियों की धरपकड, अवैध शराब, अवैध हथियार, अवैध खनन के विरूद्ध कार्यवाही के अन्तर्गत एंव अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धौलपुर मनोज शर्मा के नेतृत्व में वांछित अपराधियों के खिलाफ पुलिस थाना आंगई की बडी एवं प्रभावी कार्यवाही की गई। जानकारी के अनुसार 25 नवंबर 2024 को पवन कुमार मीना पुत्र तेजसिहं जाति मीना उम्र 32 साल निवासी सुनकई थाना आंगई धौलपुर (राज0) हाल अध्यापक राज0 उ0प्रा0वि0 तरवा ने उप0 थाना होकर एक तहरीरी रिपोर्ट इस आशय की पेश की कि 11 नवंबर 2024 की सुबह जब विद्यालय खुला तो देखा कि विद्यालय के रसोई घर में ताला नहीं हैं और गेट खोलकर देखा तो रसोई घर में से दो गैस सिलेण्डर, दो भगोना, दो गैस चूल्हे नली व रेगुलेटर सहित, दो बड़े चम्मच, 10 लीटर तेल से भरी कैन व मसाले एवं अन्य सामग्री गायब मिली। आदि पर त्वरित कार्यवाही करते हुये वांछित मुल्जिम लोकेश उर्फ लोके, अभिगेक उर्फ लाला, राधेश्याम उर्फ राधे को प्रोडक्शन वांरट पर जेल धौलपुर से बाद अनुसंधान को गिरफतार किया जाकर मुल्जिम अभिषेक उर्फ लाला के कब्जे से प्रकरण हाजा के माल मशरूका दो गैस सिलैण्डर बरामद किये गये तथा गिरफ्तार शुदा मुल्जिम लोकेश उर्फ लोके, अभिषेक उर्फ लाला व राधेश्याम उर्फ राधे से प्रकरण हाजा के शेग माल की बरामदगी व प्रकरण हाजा प्रकरण हाजा में अन्य वांछित मुल्जिम व अन्य बारदातों के बारे में संघन गहनता से अनुसंधान जारी है।

गृह रक्षा संगठन का 62वां स्थापना दिवस मनाया

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। गृह रक्षा संगठन ने रविवार को अपने 62वें स्थापना दिवस को बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर एक साप्ताहिक कार्यक्रम की शुरुआत की गई जिसका उद्घाटन एक रोमांचक वॉलीबॉल प्रतियोगिता के साथ हुआ। इस प्रतियोगिता में विभिन्न टीमों ने भाग लिया और उत्साह के साथ एक-दूसरे को टक्कर दी। इस आयोजन का उद्देश्य न केवल कर्मचारियों के बीच टीम भावना को बढ़ावा देना था बल्कि एक स्वस्थ और सक्रिय जीवन शैली को भी प्रोत्साहित करना था।

सिलेंडर में आग लगने से कमरे की बिल्डिंग डैमेज

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

राजाखेड़ा। राजाखेड़ा उपखंड के ग्राम चौहानपुर में कमरे के अंदर रखे गैस सिलेंडर चूल्हे से कमरे के अंदर आग लग गई जैसे ही आग की सूचना ग्रामीणों को लगी तो ग्रामीणों द्वारा फायरमैन नगर पालिका राजाखेड़ा को फोन कर सूचना दी गई फायरमैन पप्पू गुर्जर ने तत्कालीन प्रभाव से नगर पालिका राजाखेड़ा फायर ब्रिगेड चालक बच्चन सिंह तोमर एवं फायरमैन वीरेंद्र त्यागी को राजाखेड़ा नगर पालिका से चौहानपुर के लिए रवाना किया गया मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड द्वारा आग पर बड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया गया। राजाखेड़ा नगर पालिका के फायरमैन पप्पू गुर्जर ने बताया कि राजाखेड़ा उपखंड के ग्राम चौहानपुर में घर में सिलेंडर से आग लगने की सूचना मिली थी जिस पर नगरपालिका फायर ब्रिगेड चालक बचन सिंह, वीरेंद्र सिंह त्यागी, कुलदीप सिंह,फायरमैन पप्पू गुर्जर के साथ रवाना किया गया। जब तक फायर ब्रिगेड चौहानपुर में पहुंची तब तक आग ने विशाल रूप धारण कर लिया गया था फायरमैन एवं फायर ब्रिगेड की सहायता से बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। जिसमें रखे सिलेंडर हुए कैमरे को पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो चुका है। फायरमैन पप्पू गुर्जर ने बताया कि राजाखेड़ा उपखंड के चौहानपुर गांव से राजाखेड़ा की तरफ फायर ब्रिगेड की गाड़ी वापिस आ रही थी। मछरिया चौराहा से 50 मीटर आगे गाय का बछडा आगे आने से एक्सीडेंट की घटना हुई घायल मां एवं पुत्र सड़क किनारे पड़े हुए थे समय घटना देखी अंबुलेंस नही आते देख कर फायर ब्रिगेड प्रभारी ने तुरंत संज्ञान लेते हुए बेहोस हुई महिला एवं पुत्र को फायर ब्रिगेड गाड़ी में ले जाकर जिला चिकित्सालय धौलपुर मे भर्ती कराया और इंसानियत की मिसाइल पैस की। घायलों का जिला चिकित्सालय में इलाज जारी है।

श्रमिकों और जरूरतमंदों को बांटे मफलर, कैप और शॉल

अलवर। नेक कमाई फाउंडेशन की ओर से जयपुर की संस्था फीडिंग हैंडस की ओर से अलवर के बिजली घर चौराहे पर विजन संस्थान, दिवाकरी और गुरु नानक कॉलोनी दाउदपुर में जरूरतमंदों को गर्म मफलर, शॉल और जर्सियां वितरित की गई। नेक कमाई फाउंडेशन के संरक्षक दौलत राम हजरती ने बताया कि इस अवसर पर फीडिंग हैंडस के ट्रस्टी पंकज जैन, अमरदीप सिंह सोनी व सुमेधा संस्था की सचिव डॉ. रश्मि जैन ने बिजली घर चौराहे पर स्थित विजन संस्थान के निशुल्क भोजन वितरण के समय श्रमिकों और जरूरतमंदों को गर्म कपड़े वितरित किए। नेक कमाई फाउंडेशन के मुखय कोर्डिनेटर अभिषेक तनेजा ने बताया कि फीडिंग हैंडस का यह सहयोग सराहनीय है। इस मौके पर विजन संस्थान के हिमांशु शर्मा को निशुल्क भोजन बेहतर तरीके से संचालन के लिए सममानित किया गया। कार्यक्रम में संरक्षक मंजू चौधरी अग्रवाल ने कहा कि अलवर की तपोभूमि में कोई भूखा नहीं मर सकता और नेक कमाई फाउंडेशन किसी को सर्दी में कंपकपाने नहीं देगा।

कार्यालय पंचायत समिति सैपऊ (धौलपुर)

क्रमांकः/पं.सं.सै./खु.नि./2024/158-62 दिनांक :- 29.11.2024

खुली निविदा सूचना संख्या 04/2024-25

पंचायज समिति कार्यकारी ऐजेंसी के तहत पन्द्रहवां वित्त आयोग योजनान्तर्गत स्वीकृत 03 सकर्म सम्पादन अनुमानित लागत 10.00 लाख रुपये हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत रजिस्टर्ड फर्मों से दिनांक 06-12-2024 समय 12:00 पीएम तक कार्यवार खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसका युबीएन नम्बर ZDH2425WSRC00533-35 है। अन्य विवरण बेब पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in पर प्रदर्शित कर दिया गया है। जहां से देखा और डाउनलोड किया जा सकता है।

प्रधान
पंचायत समिति सैपऊ

विकास अधिकारी
पंचायत समिति सैपऊ

ईमानदारी से निभाएं हमसफर का साथ

एसकेमंगल

हमसफ़र के लिए कुछ महत्वपूर्ण बातें जो रिश्ते को मजबूत बनाती हैं। हमसफ़र का सम्मान करें और उनकी भावनाओं को समझने की कोशिश करें। खुलकर और ईमानदारी से बात करें। अपने विचारों और भावनाओं को साझा करें। एक दूसरे पर विश्वास रखें और रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए काम करें। एक दूसरे के साथ समय बिताने का प्रयास करें, चाहे वह छोटी सी बातचीत हो या कोई बड़ा प्लान। एक दूसरे का समर्थन करें और उनके लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करें। एक दूसरे से प्यार करें और उनकी देखभाल करें। साथी के लिए कुछ बातें जो आपको नहीं करनी चाहिए। अपने साथी की भावनाओं और जरूरतों को अनदेखा न करें। साथी का विश्वास तोड़ने से बचें। साथी की आलोचना करने से बचें और उनकी ताकतों को पहचानें। साथी को नियंत्रित करने की कोशिश न करें और उन्हें अपने फैसले लेने की आजादी दें। साथी के साथ असम्मानजनक व्यवहार करने से बचें और सम्मान करें। साथी की भावनाओं को समझने की कोशिश करें। इनको ध्यान रखकर आप साथी के साथ एक स्वस्थ और खुशहाल रिश्ता बना सकते हैं। रिश्ते को बेहतर बनाए रखने के लिए निश्चित रूप से मेहनत करनी पड़ती है। साथी से उन चीज़ों के बारे में बात करें जो आपको लगता है कि बेहतर हो सकती हैं। आपको जो परेशान कर रहा है उसके बारे में स्पष्ट रहें और सम्मान पूर्वक रहें। समस्याओं को सुलझाने में अच्छा संचार बड़ा हिस्सा है। प्यार में सबसे ज्यादा जरुरी है विश्वास। जहां विश्वास होता है वहीं प्यार पनपता है, प्यार की नींव विश्वास पर टिकी होती है। बिना विश्वास प्यार की कल्पना भी नहीं की जा सकती। विश्वास प्रेम को और मजबूत करता है। रिश्ते एक दूसरे के साथ आपस में मेल-जोल, स्नेह सहयोग, कद्र और सम्मान देकर हमारे अनमोल जीवन को खूबसूरती देने का काम करते हैं । इनमें दोस्त, प्रेमी - प्रेमिका, पति-पत्नी, मां - पापा, भाई-बहन आदि अनगिनत रिश्तों से हम परिचित हैं ।

देर शाम कोटा एसीबी की बूंदी में कार्यवाही, तकनीशियन एवं दलाल 15 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े

कृषि भूमि पर विद्युत कनेक्शन की फाइल को पास करवाने की एवज में मांगी थी रिश्वत राशि

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो मुख्यालय के निर्देश पर कोटा देहात इकाई द्वारा शनिवार देर शाम को बूंदी में कार्यवाही करते हुये पवन कुमार गौतम तकनीशियन-द्वितीय कार्यालय अधिशासी अभियंता, JVVNL बूंदी एवं उसके दलाल हरिनारायण पांचाल ठेकेदार प्राईवेट व्यक्ति को परिवादी से 15 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी की कोटा देहात इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसकी माताजी के नाम की कृषि भूमि पर विद्युत कनेक्शन की फाइल पास करवाने की एवज में आरोपी ठेकेदार हरिनारायण पांचाल (प्राईवेट व्यक्ति) द्वारा सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता आदि के नाम पर 40 हजार रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है। जिस पर एसीबी कोटा के उप महानिरीक्षक पुलिस शिवराज मीणा के सुपरवीजन में एसीबी की कोटा देहात इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल सिंह कानावत के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर शनिवार को पुलिस निरीक्षक राजपाल सिंह द्वारा मय टीम के ट्रेप कार्यवाही करते हुये आरोपी ठेकेदार हरिनारायण पांचाल को परिवादी से 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। मामले में संलिप्तता के आधार पर आरोपी पवन कुमार गौतम तकनीशियन-द्वितीय को भी गिरफ्तार किया गया है।

बून्दीस्थ ज्योतिष एवं धर्मशास्त्र परिषद के तत्वाधान में धर्म संसद परिचर्चा के साथ आम सभा का हुआ आयोजन

भारतीय दर्शन और पंचांग समाज के मार्गदर्शक एवं सुदृढ़ आधार हैं, नौसिखियों का अधूरा ज्ञान समाज में दिग्भ्रम की स्थिति बना देता है

नई पीढ़ी को अनुभव परख और व्यवहारिक ज्ञान देना बहुत आवश्यक है

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी । बून्दीस्थ ज्योतिष एवं धर्मशास्त्र परिषद के तत्वाधान में धर्म संसद परिचर्चा तथा आम सभा का आयोजन रविवार को जेत सागर मार्ग स्थित भाव भट्ट अखाड़ा परिसर में स्थित सिद्धनाथ महादेव मंदिर पर किया गया। दो सत्र में हुए आयोजन में अन्तरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त भविष्यवक्ता, ज्योतिषी, हस्तरेखा विशेषज्ञ और लेखक जोधपुर के पंडित रमेश भोजराज द्विवेदी आयोजन में डिजिटली सहभागी बने वहीं वाराणसी से आए काशी विद्वत परिषद के आचार्य पं. प्रवीण पांडे तथा ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ के रूप में अनुभवी जोधपुर के वैदिक ज्योतिषाचार्य सूर्य नगरी ज्योतिष एवं वास्तु शोध संस्थान के अध्यक्ष डॉ भैरव प्रकाश दाधीच मुख्य अतिथि रहे। आयोजन की अध्यक्षता परिषद के अध्यक्ष पंडित श्रीकांत शर्मा चालक देवी वालों ने की। संस्था सचिव पंडित पुरुषोत्तम शर्मा, क्षेत्रीय मंत्री पंडित रामेश्वर शास्त्री, नंदकुमार दाधीच, रतनलाल शास्त्री, सीताराम जोशी, नवल किशोर (ठीकरदा) एवं महेश गौतम मंचासीन रहे। आयोजन में पुराण आचार्य एवं राष्ट्रीय युवा कथा व्यास पंडित ऋतु राज शर्मा सहित पंडित उच्छब शर्मा और आयोजन सहयोगी अनिल शर्मा का अभिनंदन किया गया। मुख्य सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए 1950 में संस्थापित काशी विद्वत परिषद से आए आचार्य प्रवीण पांडे ने धर्म संसद और परिचर्चा सत्र को संबोधित करते हुए कहां कि तिथि पर्व आदि निर्धारण में क्षेत्रीय पंचांग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है जिसे नकारा नहीं जा सकता। आज के सोशल मीडिया दौर में बहुधा भ्रम की स्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं जो कि अधिकांशत निर्मूल ही होती हैं क्योंकि वास्तविक ज्ञान के अभाव में ऐसा केवल सोशल मीडिया पंडितों की उपज होती है। वस्तुत धर्म दर्शन में व्यापक विवेचना और विश्लेषण के आधार पर निर्णयन मौजूद है जो कि विचार विमर्श व अनुभव पर भी निर्भर करता है। उन्होंने इस प्रकार के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि पर्व त्यौहार आयोजन के संबंध में विवादों के हल करने हेतु इस प्रकार के आयोजन सार्थक हैं। सूर्य नगरी से आए डॉ भैरव प्रकाश दाधीच ने नई पीढ़ी के व्यावहारिक और अनुभव परख ज्ञान से दूर होने पर चिंता प्रकट की। उन्होंने परिवर्तन को प्रकृति का नियम बताते हुए कहा कि समय के साथ-साथ नवीन तकनीक और ज्ञान लाभदायक तो है लेकिन नौसिखियों का अधूरा ज्ञान समाज में दिग्भ्रम की स्थिति बना देता है। सदियों से भारतीय दर्शन और पंचांग समाज के मार्गदर्शक एवं सुदृढ़ आधार ही नहीं विश्व के अग्रदीप भी हैं। दाधीच ने कहा कि भारतीय धर्म दर्शन, गणनाएं अत्यंत सुदृढ़ आधार से निर्मित है और सैकड़ों वर्ष पूर्व की पंचांग गणना आज भी पूर्ण सटीक हैं। आज जन मानस में विश्वास बनाने हेतु धर्म संसद और धर्मशास्त्र परिषद की विवेचना पूर्ण आयोजन अत्यंत आवश्यक हो गए हैं। पंडित श्रीकांत शर्मा एवं पुरुषोत्तम शर्मा ने आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन पंडित लक्ष्मीकांत शर्मा ने किया। प्रवक्ता ज्योतिषाचार्य विनोद गौतम जगन्नाथपुरा ने बताया कि आयोजन में जिले के विभिन्न क्षेत्र से आए विद्वान आचार्य, ज्योतिषविज्ञ, पंचांगकर्ताओं ने भाग लिया।

सैंकडों ने लिया पर्यावरण रक्षा का संकल्प , हजारों स्थानों पर होंगे हनुमतशक्ति जागरण के लिए सामूहिक हनुमानचालीसा के पाठ

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

बारां । शहर के मांगरोल बाईपास पर मेलखेडीरोड स्थित काठियाबाबा आश्रम पर हनुमतशक्ति जागरण के लिए आयोजित सामूहिक हनुमान चालीसा के पाठ में एकल अभियान, भक्तमंडल परिवार एवं पर्यावरण रक्षक दल के सैंकडों से अधिक महिला/ पुरुष/ बालक एवं बालिकाओं ने भाग लिया और पर्यावरण रक्षण का संकल्प लिया हवन, पूजन, वंदन एवं आरती के बाद राजस्थान संभाग ग्रामोत्थान प्रभारी आचार्य परमानंद ने बताया कि पर्यावरण रक्षा के संकल्प की पूर्ति के लिए आगामी 07 दिसम्बर को तीन सौ गांवो में एवं 14 जनवरी को ग्रामीण अंचल के तीन हजार स्थानों पर एक ही समय पर सामूहिक हनुमान चालीसा के पाठों के माध्यम से हनुमतशक्ति जाग्रत होगी अर्थात हर गांव एवं हर घर से हनुमतशक्ति से भरपूर पर्यावरण रक्षक तैयार होंगे !

सुदूर ग्रामवर्ती क्षेत्रों में एकल अभियान द्वारा चलाए जा रहे शिक्षा-संस्कार केन्द्रों के माध्यम से पर्यावरण रक्षा के लिए करणीय / अकरणीय कार्यों के बारे में विस्तार से बताया जायेगा तथा बारां अंचल के हर मंदिर एवं चौपाल पर पर्यावरण रक्षणार्थ हनुमतशक्ति जागरण के लिए हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ कराये जायेंगे तथा पर्यावरण रक्षा का महत्व बताकर संकल्पित किया जायेगा ! राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा कुंभ प्रदुषण मुक्त अभियान के लिए एक थाली, एक थैला समर्पण अभियान में सहयोग करने की अपील की गई ।

महावीर मीणा बने राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के बून्दी जिलाध्यक्ष

नवनियुक्त पदाधिकारियों ने बूंदी विधायक व पीसीसी सदस्य सत्येश शर्मा का जताया आभार

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के आनुषंगिक संगठन राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के बूंदी जिलाध्यक्ष के पद पर महावीर मीणा को नियुक्त किया गया। साथ ही बूंदी विधानसभा क्षेत्र से समन्वयक चंद्र प्रकाश दाधीच को बनाया गया। बूंदी ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी रामहेत बैरवा व तालेड़ा ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी बाबूद्दीन को दी। गत दिवस प्रदेश कांग्रेस कमेटी के जयपुर कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सीबी यादव ने महावीर मीणा को व अन्य नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिया। महावीर मीणा व अन्य नवनियुक्त पदाधिकारियों की नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा एवं बूंदी विधायक हरिमोहन शर्मा के अनुमोदन के बाद की गई!! नवनियुक्त पदाधिकारियों ने बूंदी विधायक हरिमोहन शर्मा के आवास पर जाकर हरिमोहन शर्मा एवं पीसीसी सदस्य सत्येश शर्मा का आभार जताया बूंदी विधायक हरिमोहन शर्मा ने नवनियुक्त पदाधिकारी को बधाई देते हुए कहां की इन पदाधिकारियों की नियुक्ति से राजीव गांधी पंचायती राज संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा आगामी पंचायती राज चुनाव में कांग्रेस का परिणाम सकारात्मक होगा । शहर कांग्रेस अध्यक्ष शैलेश सोनी, बूंदी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रामकरण मीणा, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष तालेड़ा प्रेम शंकर राठौर, मंडल अध्यक्ष मनवीर सिंह, पार्षद टीकम जैन पूर्व ब्लाक अध्यक्ष जगरूप सिंह रंधावा पूर्व प्रधान रघु शर्मा बनवारी मीणा संजय सारंगी प्रहलाद मीणा करण सिंह गुड़ा सहित अन्य कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त पदाधिकारी की नियुक्ति पर पार्टी नेतृत्व का आभार जताया ।

स्व. पदमेश शर्मा की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर हुआ, 175 यूनिट रक्तदान किया

देर शाम तक जारी रहा रक्तदान शिविर, विभिन्न सेवा कार्य किए

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

बारां। जिला मुख्यालय पर रविवार को स्व.पदमेश शर्मा की पुण्यतिथि पर उनके मित्र मंडल द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें बारां समेत कोटा, झालावाड़ से भी लोग रक्तदान करने के लिए पहुंचे। रक्तदान शिविर का आयोजन अस्पताल रोड़ स्थित अग्रवाल धर्मशाला में किया गया। इस दौरान शाम तक 175 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया। रक्तदान शिविर को लेकर पिछले दिनों से तैयारियां चल रही थी। गरड़ा निवासी स्व. पदमेश शर्मा का निधन साल 2023 में एक कार हादसे में हुआ था। इसके बाद उनके मित्रों द्वारा इस साल उनकी याद में रक्तदान शिविर का आयोजन करने समेत विभिन्न सेवाकार्य किए गए।

ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. बिहारीलाल मीणा ने बताया कि जिलेभर में करीब 150 बच्चे थैलेसिमिया से पीडित है। साथ ही प्रतिदिन इमरजेंसी समेत आदि मरीजों को भी रक्त की आवश्यकता होती है। पिछले महीनों के दौरान रक्तदान शिविर आयोजित नहीं होने से ब्लड बैंक में रक्त की कमी बनी हुई थी। रविवार को हुए रक्तदान शिविर में 175 यूनिट रक्तदान हुआ है। इससे ब्लड बैंक की रक्त की आपूर्ति में सहायता मिलेगी। पदमेश शर्मा ने भी रक्तदान को लेकर अधिक कार्य किया था। ऐसे में उनकी पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर लगाकर रक्तदान किया गया। इस दौरान स्व. पदमेश शर्मा के मित्र समेत परिवार के सदस्य मौजूद रहे। स्व. शर्मा की पुण्यतिथि पर उनके मित्रमंडल द्वारा विभिन्न सेवाकार्य भी किए गए। इसको लेकर शहीद राजमल मीणा जिला अस्पताल में खिचड़ी का वितरण किया गया। साथ ही केलवाड़ा अस्पताल में मरीजों और तीमारदारों को भोजन करवाया गया। वहीं कोटा रोड़ स्थित गौशाला में गौवंश को चारा डाला गया। इसके बाद रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें मांगरोल, छबड़ा, केलवाड़ा, गरड़ा समेत आदि जगहों से लोग रक्तदान करने के लिए पहुंचे।

राजस्थान पेंशनर मंच का स्नेह मिलन सम्मान समारोह एवं पेंशनरों की समस्या निवारण बैठक आयोजित हुई

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी। राजस्थान पेंशनर मच बूंदी के मुख्य संरक्षक पुरुषोत्तम पारीक ने बताया कि आज दिनांक 1 दिसंबर को बाल विद्यालय कोटा में राजस्थान पेंशनर मंच कोटा के तत्वाधान में पेंशनरों का स्नेह मिलन समारोह एवं उनकी समस्याओं को लेकर बैठक आयोजित हुई जिसमें पेंशनरों की प्रमुख समस्याओं पर गंभीरता से विचार किया तथा उन समस्याओं को लेकर राज्य सरकार को ज्ञापन देने का निर्णय लिया गया जिसमें प्रमुख रूप से RGHS के माध्यम से दंत रोगों का एवं हियरिंग हेड का इलाज राज्य सरकार द्वारा करवाने का प्रस्ताव लिया गया जबकि अब तक दंत रोगों का इलाज इस योजना के माध्यम से नहीं किया जा रहा है कोरोना काल के समय 18 माह का रोका गया महंगाई भत्ता दिलाया जावे व कॉम्यूटेशन पेंशन जिसकी किस्त राशि 14 वर्ष तक काटी जाती है वह अब 10 वर्ष आठ माह तक ही काटी जावे क्योंकि तेलंगाना एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने इस संदर्भ में पेंशनरों के पक्ष में फैसला दिया है और इस संदर्भ को लेकर राजस्थान पेंशनर मंच हाई कोर्ट का भी दरवाजाखट खटाएगा। इस अवसर पर राजस्थान पेंशनर मच जिला अध्यक्ष घनश्याम दुबे, प्रदेश महामंत्री महावीर शर्मा, मुख्य परामर्शदाता शिक्षाविद छुट्टन लाल शर्मा, सभा अध्यक्ष रामनिवास मीणा, जिला महामंत्री शंभू दयाल मेहरा, मुख्य संरक्षक पुरुषोत्तम पारीक का उनके द्वारा पेंशनरों एवं समाज के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए तिलक अक्षत लगाकर, साफा पहनाकर सम्मान व अभिनंदन किया।इस अवसर पर राजस्थान पेंशनर मंच प्रदेश सलाहकार विद्यासागर शर्मा, संभागीय अध्यक्ष अजय चतुर्वेदी ने भी अपने विचार व्यक्त किये ।

देवी अहिल्याबाई की स्मृति में कात्यायनी महिला सम्मेलन आयोजित

अहिल्याबाई होल्कर देशभक्ति व नारी शक्ति की प्रतीक - मित्तल

बारां/अंता । कात्यायनी महिला उत्थान समिति के तत्वावधान में देवी अहिल्याबाई होल्कर मातृशक्ति सम्मेलन का आयोजन रविवार को कस्बे के चमन रिसोर्ट में आयोजित हुआ जिसमें बड़ी संख्या में मातृ शक्ति ने भाग लिया। कार्यक्रम की संयोजिका शैलजा सिंह खंगार ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम की मुख्य वक्ता वंदना मित्तल राष्ट्र सेविका समिति क्षेत्र सह बौद्धिक प्रमुख, विशिष्ट अतिथि अरुणा शर्मा अंतिमा मंत्री कात्यायनी महिला उत्थान समिति रही। समारोह की अध्यक्षता प्रधानाचार्य आरती शर्मा द्वारा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं होल्कर के चित्र पर माल्यार्पण दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। अतिथियों के स्वागत एवं परिचय के उपरांत मुख्य वक्ता मित्तल ने अपने उद्बोधन में कहा कि देवी अहिल्याबाई होल्कर का संपूर्ण जीवन मातृशक्ति के लिए अनुकरणीय रहा है ।वह देश भक्ति व नारी शक्ति का प्रतीक है। अहिल्याबाई होल्कर ने श्रेष्ठ नेतृत्व देश को दिया है।उन्होंने अनेक ऐतिहासिक स्थलों एवं धार्मिक स्थलों का जीर्णोद्धार करवाया। उनका जीवन समरसता से परिपूर्ण जीवन रहा है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि अरुणा शर्मा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के पांच परिवर्तन से समाज परिवर्तन पर प्रकाश डालते हुए कुटुंब प्रबोधन सामाजिक समरसता पर्यावरण स्वदेशी एवं नागरिक कर्तव्य पर विस्तार से चर्चा की।कार्यक्रम में देवी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन चरित्र एवं भारतीय संस्कृति को जानो विषय पर जीवन पर प्रश्नोत्तरी का आयोजन हुआ जिसमें विजेता मातृशक्ति को मंच द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अध्यापिका सुरभि खंडेलवाल ने किया। आभार एवं शांति मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।यह जानकारी कात्यानी उत्थान महिला समिति के प्रचार विभाग द्वारा दी।

आदिवासी युवक की गुमशुदगी को लेकर थाने में दर्ज करवाया प्रकरण

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी। ग्राम पंचायत लोइचा अंतर्गत ग्राम सुंदरपुरा के फोरु लाल भील की संदिग्ध गुमशुदगी को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव संदीप पुरोहित के साथ क्षेत्र के सैकड़ो आदिवासीयों ने सदर थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई जिसमें बताया कि सुंदरपुर निवासी फोरछ लाल भील दिनांक 29 11 2024 को अपनी कृषि जींस धान लेकर कृषि उपज मंडी में बेचने के लिए आया यहां से संदिग्ध अवस्था में गायब हो गया उसके जींस का भी पता नहीं लगा , जिस ट्रैक्टर ट्राली में वह जींस लेकर आया था वह वहीं खड़े मिले और फोरु लाल का अभी तक कोई सुराग नहीं लगा उसका मोबाइल भी बंद आ रहा है क्या परिचितों से भी संपर्क किया लेकिन कोई सुराग नहीं लगा इसको लेकर यहां सदर थाने में प्रकरण दर्ज करवाया गया है। रिपोर्ट का फोरूलाल की मां मनभर बाई की तरफ से दर्ज करवाई गई है। प्रदेश कांग्रेस सचिव संदीप पुरोहित ने बताया कि पुलिस को जांच के लिए रिपोर्ट दे दी गई है प्रशासन से शीघ्र अति शीघ्र प्रकरण को सुलझाने की मांग की गई है। रिपोर्ट देने वालों में लोइचा सरपंच रामरतन भील, केशव मालव, पूर्व सरपंच लोइचा गोपीलाल भील, रामदेव भील, जसवीर गुर्जर, उदा लाल भील सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

पेंशनर समाज की मांग हुई पूरी

पावटा। पेंशनर समाज ने जीवित प्रमाण पत्र की अवधि बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को ज्ञापन के द्वारा अवगत करवाया गया था जिसके लिए मुख्यमंत्री ने पेंशनर समाज की मांग को पूरा करते हुए संभल दिया।राजस्थान राज्य सरकार द्वारा पेंशनर्स समाज राजस्थान अध्यक्ष महोदय शंकर सिंह मनोहर जिला कोटपूतली बहरोड संगठन प्रभारी लक्ष्मी नारायण शर्मा जिला अध्यक्ष सुभाष चंद्र शर्मा जिला संरक्षक सुशील कुमार शर्मा जिला उपाध्यक्ष कैलाश यादव ने पेंशन समाज की जीवित प्रमाण पत्र देने की राज्य सरकार की तिथि 30 नवंबर 2024 थी जिसका अथक प्रयास करते हुए राज्य सरकार के सामने वृद्ध पेंशनरों की समस्या को ध्यान में रखकर समय अवधि बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तुरंत कार्रवाई करते हुए जनवरी 2025 तक जीवित प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की अवधि बढ़ाकर समस्त पेंशनर्स जगत को अनुग्रहित किया है ।

वेंकटेश्वर मन्दिर में शुरू हुआ ब्रह्मोत्सव

6 दिसम्बर को गरुड़ वाहन सवारी के साथ होगा समापन

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

सुजानगढ़। शहर के वेंकटेश्वर मंदिर में रविवार की शाम 28वां वार्षिक ब्रह्मोत्सव अंकुरारोपण, विश्वसेन पूजा और वेद प्रबंध पाठ के साथ शुरू हुआ। इस दौरान वेंकटेश्वर फाउंडेशन के चेयरपर्सन एवं मैनेजिंग ट्रस्टी मंजू देवी एवं अविनाश जाजोदिया समेत बड़ी संख्या में आए श्रद्धालु जुलूस के रूप में मंदिर पहुंचे। प्रबन्धक मोहन सिंह राठौड़ ने बताया कि ब्रह्मोत्सव में दक्षिण भारत के विद्वान पंडितों के द्वारा विश्व कल्याण की भावना से अनुष्ठान करवाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में 2 दिसम्बर को रक्षाबंधन, हवन ध्वजारोहण, 3 दिसम्बर को हवन चूर्णाभिषेक, 4 को तोट्टी तिरुमंजन, 5 दिसम्बर को कल्याणोत्सव व शेषनाग सवारी और 6 दिसम्बर को चक्र स्नान के साथ पूर्णाहूति के बाद भगवान वेंकटेश्वर गरुड़ वाहन पर विराजित होकर भव्य दर्शन देंगे। राठौड़ ने बताया कि सभी कार्यक्रमों में कुंभकोणम के विद्वान पंडित कृष्ण कुमार भट्टर के सान्निध्य में दक्षिण भारत के 15 पंडितों के द्वारा अनुष्ठान करवाए जा रहे हैं।

मेघवाल परिषद ने किया नए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र मेघवाल का भव्य सम्मान

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

बारां। राष्ट्रीय मेघवाल परिषद के संस्थापक प्रदेशाध्यक्ष नंदलाल केसरी के नेतृत्व में मुख्य चिकित्सा अधिकारी बारां बनाये जाने पर डॉ. नरेंद्र मेघवाल का सांसद कार्यालय के पास में मेघवाल परिषद पदाधिकारियों द्वारा प्रतीक चिन्ह के साथ साफा बंधन करके तथा माला पहनाकर के भव्य स्वागत सम्मान किया गया। इस अवसर पर परिषद के संस्थापक नंदलाल केसरी ने कहा कि संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ.अंबेडकर द्वारा प्रदत्त अधिकारों के द्वारा गरीब, पिछडा समाज शैक्षणिक, आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक सहित सभी क्षेत्रों में उत्तरोत्तर प्रगति करते हुये राष्ट्र की मुख्य धारा से जुड़ रहा हैं।

इसके लिय बाबा साहेब को हमेशा याद किया जायेगा। हमें हर क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने की और अधिक सख्त जरूरत है। डॉ. नरेन्द्र मेघवाल ने समाज बंधुओं से अपने बालक बालिकाओं को उच्च शिक्षा दिलाने पर जोर दिया तथा सहयोग करने का विश्वास दिलाया गया। परिषद के बारां जिलाध्यक्ष धनराज उमरचिया तथा जिला महामन्त्री रामेश्वर मेघवाल ने बताया कि स्वागत के समय उपजिला प्रमुख जिला छितरलाल मेघवाल, कर्मचारी अधिकारी प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रभारी गोपाल मेघवाल, साँस्कृतिक प्रदेश प्रभारी घासीलाल, कोटा संभाग प्रभारी मुकेशनारायण, बारां जिला प्रभारी संजय मेघवाल, जिला उपाध्यक्ष सूरजमल मेघवाल कवि, बारां तहसील अध्यक्ष नाथूलाल निर्भय कवि, अटरू तहसील अध्यक्ष पुरुषोत्तम मेघवाल, किशनगंज अध्यक्ष सुरेश मेघवाल, उपाध्यक्ष हंसराज मेघवाल, महामन्त्री सोनू मेघवाल, वरिष्ठ समाज सेवी विनोद मेघवाल सुरेंद्र पालरिया, हेमराज मेघवाल, चौथमल मेघवाल, पदम मेघवाल, भगतराज मेघवाल, भारत मेघवाल सहित जिले के दर्जनों पदाधिकारी उपस्थित रहे। डॉ. नरेन्द्र मेघवाल के चिकित्सा अधिकारी बनने से मेघवाल समाज में भारी खुशी की लहर हैं।

पशु परिचय परीक्षा 2024 जिले में दो पारियों में हुई आयोजित

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड जयपुर द्वारा आयोजित पशु परिचर परीक्षा 2024 जिले में आज दो पारियों में आयोजित हुई। प्रथम पारी प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक सम्पन्न हुई, जिसमें 6030 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। प्रथम पारी में परीक्षार्थी उपस्थित 4653 एवं 1377 अनुपस्थित रहे । उपस्थिति का प्रतिशत 77.16 रहा । द्वितीय पारी अपराहन 2:30 बजे से 5:30 बजे तक संपन्न हुई ,इसमें पंजीकृत 6030 परीक्षार्थियों में से 4703 परीक्षार्थी उपस्थित रहे एवं 1327 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। उपस्थिति का प्रतिशत 77.99 रहा। परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न हुई।

जीवन में सफल होने की चाबी है आत्मविश्वास- ब्रह्माकुमारी मीनाक्षी दीदी

बूंदी। ब्रह्माकुमारीज केंद्र द्वारा आओ गुणवान बने विषय पर बहुत ही सुंदर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत जीवन के बहुत ही महत्वपूर्ण नैतिक मूल्य आत्मविश्वास पर प्रकाश डाला गया

मुख्य वक्ता ब्रह्माकुमारी मीनाक्षी बहन ने अपने वक्तव्य में बताया इंसान को जीवन में बुलंदियां हासिल करने के लिए आगे बढ़ने के लिए और हर समस्या को समाधान कर उसे उन्नति की सीढ़ी बनाने के लिए जरूरी है उसका जीवन आत्मविश्वास से भरा हो इसलिए अगर यह कहा जाए आत्मविश्वास एक जादुई चिराग है जो संसार के हर असंभव कार्य को सहज कर सकता है तो यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा। आत्मविश्वास से भरपूर व्यक्ति हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करता है जीवन में सफल होने की चाबी है- आत्म विश्वास।

अपने अंदर आज आत्म विश्वास को बढ़ाने के लिए जरूरी है कि जीवन में आने वाली परिस्थितियों को हम किस नजरिए से देखते हैं

थॉमस एडिसन का उदाहरण देते हुए उन्होंने इस बात को स्पष्ट किया कि जैसे एडिशन बल्ब का आविष्कार करने में 9999 बार फेल हुए लेकिन उन्होंने इसे अपनी असफलता ने कहकर बल्कि यह कहा कि मैं जान चुका हूं 9999 ऐसे ही तरीके जिनके द्वारा बल्ब नहीं बनाया जा सकता और जब उन्होंने 10000 वां प्रयास किया और वह सफल हुए तो उनके इस अविष्कार का फायदा आज पूरी दुनिया को मिल रहा है यदि वह कुछ बार प्रयास करने के बाद जब सफल नहीं हो रहे थे अपना आत्मविश्वास खो बैठते तो शायद आज संसार इतनी बड़ी प्राप्ति से वंचित रह जाता उन्होंने अपनी हर सफलता को एक सिख वा अनुभव माना और अपने आत्म बल को बनाए रखा इसी प्रकार हमें भी अपने नजरिए को सकारात्मक बनाना है और अपनी हर असफलता को एक सिख समझना है हम कभी दूसरों से अपनी तुलना न करें सदैव जो हमारे अंदर गुण हैं हम उनको बढ़ाएं और अपने जीवन में हमने जो उपलब्धियां पाई हैं जो प्राप्तियां की हैं उनकी लिस्ट बनाएं और जब भी जीवन में ऐसा कोई पल आता है जो हमें निरुत्साहित करता है तो उस समय हम अपनी प्राप्तियों को सामने लाएं इससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ेगा

परमपिता की याद के द्वारा भी हम अपना आत्मविश्वास बढ़ा सकते हैं जब हमारा मन भगवान से जुड़ता है तो तो हम स्वयं को कभी अकेला महसूस नहीं करते हमें सदा यह याद रहता है कि सर्वशक्तिमान भगवान साथी के रूप में मेरे साथ है मेरी मदद करने के लिए हर समस्या का समाधान और शक्ति देने के लिए परमपिता की याद मन को शांति और सकारात्मक ऊर्जा से भर देती हैं ।

बाड़ी : आमने-सामने भिड़ंत में दो बच्चों सहित सात लोग घायल, तीन की हालत गंभीर

बसेड़ी रोड पर भूतेश्वर पुलिया के पास हुआ हादसा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

» बाड़ी ... घटना में घायल अस्पताल में भर्ती

बाड़ी। उपखंड से गुजर रहे बसेड़ी रोड पर भूतेश्वर पुलिया के पास रविवार को दिन में करीब तीन बजे सड़क हादसा हुआ है। स्विफ्ट और बोलेरो गाड़ी में हुई आमने-सामने भिड़ंत में दो बच्चों सहित सात लोग घायल हुए हैं। जिनमें से तीन की हालत गंभीर होने पर बाड़ी से चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल धौलपुर रेफर किया है। बाकी सभी घायलों का उपचार बाड़ी सिटी अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार उपखंड के चिलाचोंद गांव निवासी जगदीश गोस्वामी और उसका परिवार आज दिन में बोलोरो गाड़ी सवार लोग बसेड़ी बुआ के यहां शादी में भात देने जा रहे थे। वहीं भरतपुर से एसएससी पशु चयन परीक्षा में शामिल होकर स्विफ्ट कार सवार अभ्यर्थी अपने गांव खानपुर लौट रहे थे। दोनों गाड़ियों में भूतेश्वर पुलिया के पास भिड़न्त हो गई। जिसमें स्विफ्ट डिजायर कार में सवार एक युवती सहित सभी लोग घायल हो गए। वहीं बोलेरो में सवार छोटे बच्चे घायल हो गए। वहीं बड़े लोग केवल चोटिल हुए हैं। गनीमत यह रही है कि दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। घायलों के साथ अस्पताल में मौजूद महिला मंजू ने बताया कि वह चिलाचोंद गांव निवासी हैं। बसेड़ी में अपनी ननद के घर भात देने जा रहे थे। इस दौरान भूतेश्वर पुलिया पर बसेड़ी की और से आ रही कार से भिड़ंत हो गई। जिसमें 6 वर्षीय ध्रुव पुत्र जितेश गोस्वामी, 4 वर्षीय अमन पुत्र जितेश गोस्वामी के साथ 8 वर्षीय परी पुत्री जगदीश और लखन पुत्र जगदीश घायल हुए हैं। जिनका उपचार बाड़ी अस्पताल में चल रहा है। वही स्विफ्ट कार में सवार खानपुर गांव निवासी 30 वर्षीय प्रदीप पुत्र संतराम मीणा, प्रवेश पुत्र शिल्पराम मीणा और 20 वर्षीय युवती गुड्डी पुत्री ग्यासीराम मीणा घायल हुए हैं। इन तीनों की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल धौलपुर रेफर किया है। साथ आये परिजनों ने बताया की कार सवार चार लोग भरतपुर में एसएससी पशु चिकित्सा की परीक्षा देने गए थे। जहां से वापस लौट रहे थे। दुर्घटना की सूचना पर सभी घायलों को 108 एंबुलेंस से बाड़ी अस्पताल पहुंचाया गया। वही सूचना पर सदर थाना पुलिस भी मोके पर पहुंची और मामले की जांच में जुटी है।

संगम क्लब बाड़ी द्वारा विशाल चिकित्सा कैंप का आयोजन

विशेषज्ञ टीम द्वारा 500 से अधिक रोगियों की जांच

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

» बाड़ी ... जांच शिविर में मौजूद लोग और रोगियों की जांच करते चिकित्सक,

बाड़ी। स्थानीय समाजसेवी संस्था संगम क्लब ने समाज सेवा के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एक विशाल चिकित्सा कैंप का आयोजन किया। यह कैंप स्थानीय निवासियों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य जांच और चिकित्सा परामर्श प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कैंप का उद्घाटन नगर के वरिष्ठ नागरिकों और क्लब के प्रमुख सदस्यों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने 500 से अधिक लोगों की जांच की और स्वास्थ्य समस्याओं से संबंधित परामर्श दिया। संयोजक सुनील गर्ग कंपनी परिवार ने बताया कैंप में मुख्य रूप से न्यूरो सर्जन डॉक्टर सोमदेव बंसल, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अनिल गुप्ता, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ शुभम अग्रवाल, जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक ऑपरेशन विशेषज्ञ डॉक्टर दिनेश बडाया, फिजियो थैरेपिस्ट डॉक्टर मीमांसा चंसोरिया, होम्योपैथिक डॉ मीनल अग्रवाल द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। एवं मरीजों को निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। संगम क्लब के अध्यक्ष भानु मंगल ने कहा, हमारा उद्देश्य समाज के हर वर्ग को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। स्थानीय निवासियों ने इस आयोजन की सराहना करते हुए इसे बहुत उपयोगी बताया। आयोजकों ने इसे सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी डॉक्टरों, स्वयंसेवकों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। आज के इस कार्यक्रम में संगम क्लब के सचिव प्रमोद मित्तल, अनिल मंगल, मनोज मोदी, मुनीश बंसल, डॉ राजीव गोयल, डॉ पंकज सिंघल, अरुण मंगल, राजीव मंगल, ऋषि गर्ग, भगवान बंसल, कौशल गर्ग, अजय गर्ग, विजय सिंघल, विष्णु मित्तल, सहित सभी महिला सदस्य उपस्थित रही।

नदियों को बचाने और समाज को जागरूक करने के लिए संत और उसके दो साथियों की चंबल परिक्रमा

» बाड़ी ... चम्बल के सफ़र में जागरूकता का अभियान जारी

इटावा से शुरू हुई परिक्रमा 60 दिन का सफ़र 1600 किमी का दूरी तय कर पहुंची बाड़ी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। नदिया हमारे जीवन रेखा है,इनके बिना जीवन संभव नहीं है। ऐसे में वर्तमान में लगातार प्रदूषित होती नदियों को बचाने और संरक्षित करने के लिए एक संत और उसके दो साथी इटावा से चंबल की परिक्रमा पर निकले हैं। करीब 1900 किलोमीटर की यह यात्रा 2 अक्टूबर गांधी जयंती से शुरू हुई है जो साठवें दिन करीब 1600 किलोमीटर का सफर तय कर बाड़ी पहुंची। इस दौरान शहर के एवीएम स्कूल में डॉ परमेश पाठक के नेतृत्व में पर्यावरण प्रेमियों और प्रकृति संरक्षण से जुड़े लोगों ने यात्रा में आए संत और उसके साथियों का स्वागत एवं सम्मान किया। इस दौरान लोगो को सम्बोधित करते हुए पर्यावरणविद रोबिन सिंह और संत स्वामी तेजो ने लोगों को प्रकृति और नदियों से जुड़ी जानकारी दी साथ में आमजन से सहयोग की अपील की। पर्यावरणविद रोबिन सिंह ने बताया कि वह इटावा के गांव पिपरौली के रहने वाले हैं। अपने स्थानीय संत तेजोमयनन्द के नेतृत्व में साथी धीरज के साथ चंबल की परिक्रमा कर रहे हैं। 2 अक्टूबर से उनकी यात्रा चंबल और यमुना के संगम गांव कचहरी, शेरगढ़ इटावा से शुरू हुई थी। जो अभी तक करीब 1600 किलोमीटर का सफर तय कर चुकी है। बाड़ी में लोगों से उन्होंने यही संवाद किया है कि वर्तमान में सभी नदियां प्रदूषण के दौर से गुजर रही है और उनके अस्तित्व को खतरा पैदा हो रहा है। केंद्र और नदियों से जुड़ी राज्य सरकारे इस और कोई ध्यान नहीं दे रही। यदि नदियों के अस्तित्व को संकट आया तो मनुष्य के जीवन को भी खतरा आएगा। चंबल नदी की करीब 1900 किलोमीटर से अधिक की उनकी यह परिक्रमा 7 दिसंबर को पूरी होगी। रास्ते में जो भी शहर कस्बे और गांव पड़े हैं। उन्होंने समाज को यही संदेश दिया है की नदियों को बचाए और प्लास्टिक से दूर रहे। ग्रीन इंडिया मूवमेंट को लेकर संत और उसके दो साथियों का यह संदेश आमजन तक पहुंचे लोग जागरूक हो। इसी उद्देश्य से यह परिक्रमा की है जो 07 दिसम्बर को पूरी होगी। पर्यावरणविद् रोबिन सिंह ने बताया कि चंबल का उद्गम जनापाव पहाड़ी से हुआ है।

जो एमपी में है। यही भगवान परशुराम का जन्म हुआ था। चंबल नदी जिन-जिन रास्तों से गुजरी है उन रास्तों से पैदल ही उनकी यात्रा चल रही है। इटावा से भिंड, मुरैना, श्योपुर, कोटा, झालावाड़, उज्जैन, इंदौर और कई शहरों में होते हुए सवाई माधोपुर, करौली के बाद अब धौलपुर में यात्रा चल रही है। इस मौके पर पर्यावरण प्रेमी डॉ परमेश्वर पाठक,समाजसेवी गोपेश राज पचौरी, जितेंद्र सिंह समाधिया, रामू यादव, भारत भूषण भारद्वाज, डॉ शिवदयाल मंगल,बाड़ी सीओ महेंद्र कुमार, नरेश यादव, भगवान दास बंसल सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। जिला कलक्टर के निर्देशन में जिला स्वास्थ्य समिति ओर मंजरी फाउंडेशन के द्वारा विश्व एड्स दिवस पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन रिक्शे वालो, वेंडर्स के साथ गुलाब बाग पर किया गया। इस अवसर मंजरी फाउंडेशन के पंकज शर्मा ने बताया कि 1 दिसबंर को दुनियाभर में वर्ल्ड एड्स डे मनाया जाता है। ऐसा दिन जब लोगों को एचआईवी और एड्स के प्रति जागरुक किया जाता है। वर्ल्ड एड्स डे की साल 2024 की थीम है टेक द राइट पथ-माई हेल्थ, माई राइट। ये थीम बताती है कि हर एचआईवी से पीड़ित इंसान का अधिकार है कि उसे सही ट्रीटमेंट, केयर, सर्विस और बचाव का तरीका मिले। इस थीम के जरिए 2030 तक दुनियाभर में एड्स को खत्म करने का प्रयास किया जाएगा। एड्स से संक्रमित होने पर लगभग हर व्यक्ति में अलग-अलग लक्षण दिख सकते हैं। जिसमे से कुछ कॉमन है, जैसे-बुखार होना, गले में खराश, सिर दर्द लिम्फ नोड्स में सूजन एड्स होने पर मरीज एचआईवी से इंफेक्टेड हो जाता है। जिससे इम्यनिटी सिस्टम पर असर पड़ता है। मरीज को लगातार डायरिया, वेट लॉस, रात में पसीना आना, सांस लेने में तकलीफ, टीबी, हर्पीज, निमोनिया जैसी समस्या होने लगती है। उन्होंने बताया कि हर किसी को अपनी ज़रूरत की स्वास्थ्य सेवाएँ मिलनी चाहिए, जिसमें एचआईवी की रोकथाम, उपचार और देखभाल सेवाएँ शामिल हैं, जब और जहाँ उन्हें उनकी ज़रूरत हो। अधिकारों की रक्षा का मतलब है यह सुनिश्चित करना कि स्वास्थ्य सेवा सभी को बिना किसी भेदभाव के उपलब्ध हो, चाहे उनकी एचआईवी स्थिति, पृष्ठभूमि, लिंग या वे जहाँ भी रहते हों। उन्होंने कहा कि एड्स को समाप्त करने के लिए यह आवश्यक है कि हम उन सभी लोगों को प्राथमिकता दें और शामिल करें जो एचआईवी से पीड़ित हैं, जोखिम में हैं या इससे प्रभावित हैं,

अन्नदान सबसे बड़ा दान - डॉ. हरी सिंह

अमावस्या भोजन समिति की ओर से निःशुल्क भोजन एवं कंबल वितरित किए गए

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

» धौलपुर ... बुजुर्गों को कंबल भेंट करते हुए

धौलपुर। अमावस्या भोजन समिति धौलपुर की ओर से श्री अन्नपुर्णा रसोई 123 पुराना जनाना अस्पताल के सामने धौलपुर पर साधु संत एवं असहायजनों एवं दिव्यांगजनों को निःशुल्क भोजन एवं कंबल वितरित किए गए। इस अवसर पर अमावस्या भोजन समिति के संयोजक डॉक्टर हरि सिंह ने कहा कि अमावस्या का दिन सनातन धर्म में धार्मिक अनुष्ठान, तर्पण और पितरों की पूजा और पवित्र स्नान के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है एवं अन्नदान सबसे बड़ा दान है इस अवसर पर अमावस्या भोजन समिति के रामू जायसवाल ने बताया कि अमावस्या तिथि पर भगवान विष्णु एवं लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है जरूरतमंदों को भोजन एवं कंबल वितरित किए जाते हैं इस अवसर पर अखिल भारतीय चित्रांश वंशज के प्रदेश अध्यक्ष दयाकांत सक्सेना ने बताया कि अमावस्या के दिन पवित्र नदियों में स्नान करना या घर पर पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करके जरूरतमंदों को भोजन कराने का बहुत महत्व है

इस अवसर पर रवि शिवहरे ने बताया कि अमावस्या भोजन समिति धौलपुर के द्वारा सन 2015 से लगातार अमावस्या के अवसर पर भोजन और वस्त्र वितरण किया जा रहा है। आज मार्गशीर्ष अमावस्या के अवसर पर साधु संत एवं असहायजनों को खीर पूडी सब्जी रायता एवं मिठाई वितरित किया और कंबल वितरित किए गए। दान पुन करने से पूर्वजों की आत्मा को शांति प्रदान होती है। इस अवसर पर समिति के दयकांत सक्सेना, राहुल विधूड़ी, रामू जायसवाल, शिवांगी त्यागी, सचिन गोयल, अशोक शिवहरे, डॉ हरी सिंह, डॉ सुशील रस्तोगी, लाडली मोहन त्यागी, अमन अग्रवाल, पवन श्रीवास्तव, सोनू शिवहरे, दिनेश शर्मा छावनी वाले, डॉ यू .एस. यादव, कालीचरण बघेला, मोहित मित्तल, शिखर मित्तल, मोहित अग्रवाल, मुकेश सक्सेना, नीरज भंडारी, ओम प्रकाश शर्मा, राहुल त्यागी, राजेश गोयल, राम अवतार रस्तोगी, इंद्रभान यादव, एवं समस्त सदस्य उपस्थित थे।

48 वां राजस्थान स्टेट कॉन्फ्रेंस आफ इंडिया एकेडमिक पेडियेट्रिक संपन्न

डॉ निखिल को मिला यंग अचीवमेंट अवार्ड

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

» धौलपुर ... डॉ. निखिल को अवार्ड देते हुए

धौलपुर। 48 वां राजस्थान स्टेट कॉन्फ्रेंस आफ इंडिया एकेडमिक पेडियेट्रिक कॉन्फ्रेंस झालाना के इंटरनेशनल सेंटर जयपुर में संपर्क हुई। जिसमें धौलपुर से शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर निखिल अग्रवाल ने जिले का प्रतिनिधित्व किया। देश भर से 800 डॉक्टर ने इसमें अपनी भागीदारी निभाई और धौलपुर की ओर से प्रतिनिधित्व करते हुए डॉक्टर निखिल अग्रवाल ने 2 वर्ष से 18 वर्ष की आयु में बच्चों में होने वाले जोड़ों के दर्द विषय पर अपना व्याख्यान दिया उन्होंने बताया कि अकारण ही बच्चों में जोड़ों के दर्द की शिकायत उत्पन्न हो जाती है। अभिभावक बच्चों में जोड़ों के दर्द की समस्या के लिए खुद ही डॉक्टर बन जाते हैं जबकि उन्हें चाहिए कि सही डॉक्टर से इसकी जांच कारण और उनके दिशा निर्देशन में बताई गई दवाई लेने उन्होंने बताया कि कुछ बच्चों में जेनेटिक समस्या भी होती है जिस कारण भी है दर्द होता है जिसका इलाज संभव है। कॉन्फ्रेंस में रिमेटोलॉजिस्ट डॉ अभय शिवपुरी ने अपना विशेष व्याख्यान दिया। दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस में डॉक्टर निखिल अग्रवाल को कम समय में पेडियेट्रिक क्षेत्र में उपलब्धि अर्जित करने के लिए यंग अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। डॉ निखिल के सम्मान पर विभिन्न सामाजिक संगठनों ने उन्हें बधाई दी है।

उर्स मुबारक व मुशायरा सम्पन्न

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। बीती रात शनिवार को हजरत भुल्लनशाहवली की दरगाह पर 86वां उर्स मनाया गया। इस मौके पर मुशायरे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मदरसा रजाएमुस्तफा में हजरत सूफी सुल्तान अहमद राही की देख रेख में चला। दरगाह पर चादरपोशी का पूरा इन्नाज सादीलाल भोला की तरफ से किया गया। अतहर फारुकी ने बताया कि मुशायरे में धौलपुर जिले के शायरों ने भाग लिया। मुशायरे के मुख्य अतिथि सुलेमान फारुकी लकी मदरसा बोर्ड जिला संयोजक थे। जबकि मंच की सदारत हाजी अजमेरी उस्मानी हज कमेटी चेयरमेन ने की। खुसूसी मेहमान राजेश तिवारी सैंपऊ से पधारे। मंच के विशिष्ट अतिथि सैय्यद माहिर हसन रिजवी एडवोकेट एवं गफ्फारउद्दीन एडवोकेट, मुन्ना खां अब्बासी पूर्व वक्फ बोर्ड जिला अध्यक्ष, प्रतापसिंह अध्यापक वरिष्ट कवि व शायर थे। धौलपुर के प्रसिद्ध शायरों में सूफी सुल्तान अहमद राही, देशक मशहूर शायर जमील, अ. रज्जाक रजा, सैय्यद माहिर हसन रिजवी एडवोकेट, जमीर सहसवानी, जमीर धौलपुरी, अतहर फारुकी, मुजफ्फर अली मुशर्रफी, मो. साबिर राजू, इकबाल कमर, चांद खं कुरैशी, जाहिद हसन राही, हसन इब्राहीम बाड़ी, रईस खां जख्मी, फय्याज खां, अमन छावनी, कमाल खां, फय्याज फैज, प्रतापसिंह, आनन्द कुमार शर्मा, नवीन, सिवान खां, नूर, जैसे नामबर शायरों ने देर राम समा बांधे रखा। निखिल कुमार गोलीपुरा से पधारे मुजफ्फर अली मुशर्रफी ने व सादीलाल भोला भाई ने अतिथियों का माला व शॉल उड़ाकर सम्मान व स्वागत किया गया। मंच का संचालन अब्दुल करीम अतहर फारुकी ने किया जो जोशीले अंदाज में काबिले तारीफ रहा।

पत्नी की मौत के चार दिन बाद पति ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

» बाड़ी ... मोर्चरी के बाहर मौजूद परिजन

बाड़ी। उपखंड के कंचनपुर थाना क्षेत्र के लखेपुरा गांव में पत्नी की मौत के चार दिन बाद ससुराल पक्ष से परेशान पति द्वारा घर के पास पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। घटना के बाद पीड़ित परिजन अचेत हुए युवक को लेकर अस्पताल पहुंचे जहां चिकित्सकों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। ऐसे में कंचनपुर थाना पुलिस ने शव को बाड़ी अस्पताल की मोर्चरी रखवाया। जहां परिजनों की मौजूदगी में पंचनामे के बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई की है। मृतक के बड़े भाई प्रेमचंद ने मामले को लेकर पुलिस को रिपोर्ट दी है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। लखेपुरा गांव निवासी प्रेमचंद पुत्र हेतराम जाटव ने बताया कि उसका छोटा भाई बृजेश दिल्ली के पास पलवल में मार्बल टाइल्स का काम करता है। 26 नवंबर की रात को घर में उसकी पत्नी भारती ने अपने कमरे में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उस वक्त बृजेश घर पर मौजूद नहीं था। दूसरे दिन मृतक भारती के पीहर पक्ष बसेड़ी के बागथर निवासी उसकी मां रंजीता पत्नी रमाकांत जाटव ने पुलिस को रिपोर्ट दी। जिसमे ससुरालवालों पर दहेज के लिए परेशान करने और हत्या करने का आरोप लगाया। घटना से बृजेश सदमे में था दूसरी ओर ससुराल वाले लगातार बृजेश को फोन कर परेशान कर रहे थे। शुक्रवार की शाम को ससुराल के कुछ लोग बाइक से गांव आये और बृजेश को अकेला देखकर उससे बातचीत की। जिसमें 50 हजार रुपये की मांग की,नहीं देने पर जेल में सड़ने की धमकी दी। ऐसे में बृजेश काफी तनाव में था। जिसे काफी समझाया भी की सब कुछ ठीक हो जाएगा। लेकिन बृजेश ने शनिवार की शाम घर के पास एक पेड़ पर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर की। घटना के पीछे ससुराल वाले जिम्मेदार है। जो लगातार पैसों की मांग कर रहे है। परिजनों ने बताया कि बृजेश की भारती के साथ 4 वर्ष पूर्व शादी हुई थी इस दौरान उनके 2 वर्ष का पुत्र आदित्य और 8 महीने की बेटी नायरा पैदा हुए हैं दोनों बच्चे अब अकेले रह गए हैं घटना के बाद से गांव लखेपुरा में शोक छाया है। कंचनपुर थाना एएसआई होतम सिंह ने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अस्पताल की मोर्चरी रखवाया था। जहां आज परिजनों की मौजूदगी में मृतक बृजेश पुत्र हेतराम जाटव 25 वर्ष के शव का पंचनामे के बाद पोस्टमार्टम कराया है। मृतक के भाई प्रेमचंद ने जो रिपोर्ट दी है। उसमें ससुराल वालों पर परेशान करने और ?50000 मांगने का आरोप लगाया है। 4 दिन पूर्व मृतक की पत्नी की भी फांसी के फंदे पर झूलने से मौत हुई थी। जिसका मामला भी जांच में चल रहा है।

कैंथरी में गौशाला की मिली स्वीकृति

धौलपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल की गायों और सन्तों के प्रति प्रेम को देखते हुए धौलपुर जिले के युवा कलेक्टर साहब एवं पशुपालन विभाग के सहयोग से एवं कैंथरी सरपंच अजयकांत शर्मा जी के अकथ प्रयासों से ग्राम पंचायत कैंथरी में गौशाला निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। धौलपुर जिले में अभी 5 गौशालाओं की स्वीकृति प्रदान की गई है इससे गरीब किसानों की फसल को बर्बाद होने से बचाया जा सकेगा एवं गायों को आश्रय स्थल मिलेगा अब स्थानीय लोग गायों की सेवा भी कर सकेंगे सनातन धर्म में गौ सेवा सबसे महत्वपूर्ण बतलाई गई है एवं मोक्ष प्राप्ति का आसान तरीका भी है हिन्दू धर्म ग्रंथों में कहा गया है कि गाय मे सभी देवताओं का वास रहता है, गौशाला स्वीकृति से पूरे क्षेत्र में खुशी है खासकर उन किसानों में जो सर्दी और कोहरे में रात्रि में जागकर खेत की रखवाली करते थे इसका श्रेय मुख्यमंत्री, पशुपालन विभाग, जिला कलेक्टर और सरपंच अजय कान्त शर्मा को जाता है।

» धौलपुर ... कुंकिंग कंपटीशन विजेता को पुरस्कार देते हुए

'हमारी रसोई हमारी जिम्मेदारी' कार्यक्रम का आयोजन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। 'हमारी रसोई हमारी जिम्मेदारी' कार्यक्रम का आयोजन देश की विभिन्न गैस कंपनियों के द्वारा किया गया। आयोजन में कुकिंग कंपटीशन में महिलाओं ने भाग लिया इस दौरान गैस कंपनी के प्रतिनिधि एवं वितरण की ओर से हमारी रसोई के सुरक्षा मंत्रों के संबंध में संभागी महिलाओं को जानकारी दी गई। कार्यक्रम में घरेलू रसोई गैस के सुरक्षित उपयोग के बारे में भी विस्तार से समझाया गया। आयोजन में कुकिंग कंपटीशन की विजेता महिलाओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। महिलाओ के साथ साथ सभी गैस कंपनियां के डिलिवरी में को भी पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। आयोजन में एचपी गैस, आइओसीएल एवं बीपीसीएल कंपनियों के अधिकारी, प्रतिनिधि एवं स्थानीय वितरक मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक - चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए आकाशदीप प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स, सेक्टर 11 अग्रवाल फार्म, जयपुर (राज.) राजस्थान से मुद्रित एवं जी-१, गंगासागर अपार्टमेंट, बी-192, गंगासागर कॉलोनी, आम्रपाली मेन रोड, वैशाली नगर जयपुर (राज.) से प्रकाशित आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2013/48948
प्रधान सम्पादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे मोबा. 9425126060 । स्थानीय संपादक गौतम गोस्वामी मोबा. 9772455444, प्रबंध संपादक बेनी प्रकाश खोंरानिया मोबा. 9549977995 : पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए स्थानीय सम्पादक जिम्मेवार। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर न्यायालय होगा।